निरंतर अभ्यास-ज्ञान और सत्य के साथ

काल: सत्यं वदति

दैनिक सच समाचार

www.dainiksachsamachar.com, E-mail ID: sachsamachar013@gmail.com

RNI NO. - MPHIN/2025/A2700

वर्ष-1 || अंक- 331 || पृष्ठ-8 || शुल्क- 2 रुपए || भोपाल || मंगलवार 08 सितंबर || 2026

दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में मध्यप्रदेश में निवेश का महाकुंभ

मोहन ने उद्योगपतियों और निवेशकों से की वन-टू-वन चर्चा, बोले- युवाओं को मिलेगा रोजगार

सच संवाददाता || भोपाल/दुबई

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 में पहुंचे। उनका यह दुबई प्रवास मध्यप्रदेश में निवेश और रोजगार के रास्ते खोलेगा। यह सम्मेलन राज्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इस सम्मेलन में डॉ. यादव ने निवेशकों को भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर मीट (जीआईएस)-2027 के लिए आमंत्रित किया। एआईएम कांग्रेस दुनिया के सबसे बड़े निवेश मंचों में से एक है। इस सम्मेलन में 180 से ज्यादा देशों के करीब 20,000

प्रतिनिधि हो रहे शामिल। यहां सरकारें, बड़े निवेशक, सोवरिन वेल्थ फंड्स और कंपनियां एक मंच पर आकर निवेश के मौकों पर चर्चा करती हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यहां बड़े निवेशकों और कंपनियों से सीधे मुलाकात की। एक ही जगह पर दुनिया भर के निवेशक मौजूद है। इसलिए यह मध्यप्रदेश के लिए बड़ा और किफायती अवसर है। उन्होंने पहले दिन यहां ताज दुबई के बिजनेस बे में आयोजित मध्यप्रदेश के ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) एवं भौगोलिक संकेतक (जीआई) उत्पादों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

किसानों के लिए प्रतिबद्ध सीएम डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की यात्रा निवेश पर केंद्रित है। उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश एक 'ग्लोबल निवेश गंतव्य' के रूप में सामने आएगा। इससे जीआईएस-2027 की तैयारी को भी मजबूती मिलेगी। दुबई अपनी जरूरत का 85₹ से ज्यादा खाना बाहर से मंगाता है। साल 2024 में यूएई ने करीब 16.2 बिलियन डॉलर का खाद्य आयात किया, जो 2023 से 13.7₹ ज्यादा है। वहां की लगभग 89₹ आबादी प्रवासी है, जिसमें बड़ी संख्या में भारतीय हैं, इसलिए भारतीय अनाज, दाल और प्रोसेस्ड फूड की मांग लगातार बढ़ रही है। मध्यप्रदेश इस मांग को पूरा कर सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी कल गुजरात जाएंगे

वडोदरा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 सितंबर को गुजरात दौरे पर जाएंगे। उनकी यात्रा के संबंध में स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीएम मोदी के आगमन के मद्देनजर सुरक्षा के चाक-चौबंद बंदोबस्त किए गए हैं। वडोदरा में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम- नमो भारत विकसित भारत के लिए 2000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। वडोदरा पुलिस आयुक्त नरसिम्हा कोमार ने बताया कि पुलिस ने भारतीय रेलवे, वडोदरा नगर निगम और जिलाधिकारी से समन्वय किया है। हवाई अड्डे से कार्यक्रम स्थल तक स्वच्छता, भीड़ प्रबंधन और यातायात सुविधा की तैयारियां पूरी हैं। वडोदरा शहर पुलिस के साथ स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप, एनडीआरएफ और गुजरात पुलिस की विशेष इकाइयां तैनात रहेंगी। पूरे क्षेत्र को सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से सुरक्षित किया गया है।

देवड़ा जी! लाशों के ढेर पर कुर्सी पर बैठे रहना शोभा नहीं देता

सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे पर चलना चाहिए हत्या का केस

त्वरित टिप्पणी

सिकंदर अहमद

भोपाल। अद्भुत है हमारा समाज और विचित्र हैं इसमें रेंगते चरित्र, जो अपने कुकृत्यों से हर संवेदनशील व्यक्ति और समाज की मर्यादित व्यवस्था को झंझोड़ डालते हैं। कल सागर में 19 लोगों की सांसें ऐसी ही सड़ी व्यवस्था की भेंट चढ़ गईं। आबकारी मंत्री जगदीश देवड़ा का वही रटा-रटाया बयान फिर आया कि 'दोषियों को बख्शा नहीं जायेगा'। मंत्री जी पिछले सात सालों से आप ही आबकारी विभाग के मंत्री हैं और आपके ही कार्यकाल में जहरीली शराब से मौतों पर अध्याय लिखे जा रहे हैं।

जहरीली शराब से 19 गरीबों की मौत ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि आबकारी विभाग शराब बेचने का विभाग नहीं, मौत बेचने का गिरोह बन चुका है। यह कोई दुर्घटना नहीं, आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से किया गया सामूहिक नरसंहार है। जिन घरों के चिराग बुझे हैं वह कोई अमीर लोग नहीं थे। वह मजदूर थे, वह गरीब थे, अपने परिवार को पालने पोसने वाले मुखिया थे जो 50-100 रुपये की सस्ती शराब पीकर दिन भर की थकान को मिटाना चाहते थे। उन्हें क्या पता था कि आबकारी विभाग ने चंद सिक्कों के लिए उनकी जिंदगी दांव पर लगा दी है। उनके लिए मौत की जहर भरी बोतलें बाजार में खुली छोड़ रखी हैं।

विभाग के मंत्री श्री देवड़ा को यह बताना ही होगा कि प्रदेश में हर देशी शराब की दुकान के पीछे जो अवैध अड्डे चलते हैं वह किसके संरक्षण में चलते हैं। स्थानीय पुलिस और आबकारी के सिपाही को हफ्ता दिये बिना एक पाउच भी नहीं बिक सकता। क्या मंत्री जी को यह पता नहीं है, अगर पता नहीं है तो यह मंत्री जी का फेल्युर है। और अगर पता है तो वह सीधे जिम्मेदार हैं। दोनों की स्थिति में उन्हें अपनी जवाहदेही तय करनी ही ही चाहिए। मंत्री जी को यह भी बताना होगा कि जांच में हमेशा मिथेनॉल की बात ही आती है। यह जहर कहां से आता है, किस फैक्ट्री से लाया जाता है, क्या आबकारी विभाग सेम्पल चेक नहीं करता या विभाग का काम सिर्फ लायसेंस फीस वसूलना ही है। अगर यही शराब किसी बड़े शहर के क्लब में बिकती और 19 अमीर आदमी मर जाते तब भी क्या सरकार की चूलें नहीं हिलतीं। जहरीली शराब से गरीब मरता है तो मरने दो, कुछ मुआवजा देकर उसके परिवार को शांत कर ही लेंगे।

श्री देवड़ा को अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझनी चाहिए। आबकारी मंत्री का काम राजस्व बढ़ाना ही नहीं, जीवन को बचाना भी है। जब आपके विभाग की नाकामी से 19 लोग मर जाएं तो आप एसी कक्ष में बैठकर प्रेस नोट जारी नहीं कर सकते। आपको कुर्सी छोड़नी ही चाहिए। क्योंकि आपके नेतृत्व में ही नीचे से लेकर ऊपर तक पूरा आबकारी तंत्र सड़ चुका है। नीचे के स्तर पर इस सड़े तंत्र का चेहरा हैं सागर की आबकारी अधिकारी कीर्ति दुबे, जिन्हें सिर्फ निलंबित करना ही ठीक नहीं होगा, उनके ऊपर हत्या का केस चलना चाहिए और जबलपुर के सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे पर भी सामूहिक हत्या का केस दर्ज होना चाहिए। क्योंकि जैसा दावा किया जा रहा है कि प्रतिबंधित सागर गोल्ड और बाम्बे व्हिस्की शराब जिसे प्रतिबंधित कर दिया गया था उसे संजीव दुबे ने सामान्य कहकर बाजार में उतरवा दिया था। इन दोनों ब्रांडों की जहरीली शराबों से ही मौतें हुई हैं। उनकी घोर लापरवाही का नतीजा कल सामने आ गया। यह मिलीभगत का परिणाम भी हो सकता है। उनके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज होना ही चाहिए।

सड़े तंत्र के ऊपरी स्तर पर विभाग के मंत्री, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ही हैं। उन्हें पद से इस्तीफा देकर यह साबित करना चाहिए कि भाजपा सरकार में जवाबदेही अभी भी जिंदा है। नैतिकता अभी भी बची हुई है। लाशों के ढेर पर कुर्सी पर बैठे रहना उन्हें शोभा नहीं देगा और यदि वह पद पर बने रहते हैं तो यह सत्ता का नशा, मध्यप्रदेश को यूं ही साल-दर-साल श्री देवड़ा की लापरवाही से गरीब की लाशों का गवाह बनाता रहेगा।

सच-संक्षेप

सबस्टेशन में आग, पुणे-पिंपरी-चिंचवड़ में बिजली बाधित

पुणे। महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड ने बताया कि पुणे के चिंचवड़ सबस्टेशन में तकनीकी खराबी और आग लग गई। रविवार दोपहर की इस घटना के कारण पुणे तथा पिंपरी-चिंचवड़ के बड़े हिस्सों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई। 22-केवी करंट ट्रांसफार्मर में विस्फोट के बाद दोपहर 12:25 बजे आग लगी। प्रबंधन के अनुसार, कुल 3.10 लाख उपभोक्ता प्रभावित हुए। कई क्षेत्रों में आपूर्ति 3 बजे तक बहाल हुई।

महाराष्ट्र || गणपति उत्सव में 2900 मुफ्त बसें

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आगामी गणेश उत्सव के मद्देनजर 2,900 एसटी बसों की सेवा शुरू की। डिप्टी सीएम ने त्योहार के सांस्कृतिक महत्व पर जोर दिया और कहा कि यह राज्य की पहचान, संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। रविवार को शिवसेना की तरफ से की गई इस पहल का शुभारंभ करते हुए शिंदे ने कहा, इन बसों में यात्रियों को कोंकण क्षेत्र तक मुफ्त यात्रा का इंतजाम किया गया है। त्योहारी मौसम के दौरान ट्रेनों में भारी भीड़ और सीमित टिकटों की उपलब्धता को स्वीकार करते हुए शिंदे ने हर साल मुफ्त बस सेवा की प्रतिबद्धता दोहराई।

खिड़की पर क्यूआर, फ्रिज में बीयर मुरैना में महिला चला रही थी हाइटेक अवैध शराब ठेका, ऐसे खुला राज

मुरैना। सागर में जहरीली शराब से 18 मौतों के बाद पूरे प्रदेश में पुलिस अलर्ट पर है। इसी कड़ी में मुरैना कोतवाली पुलिस ने रविवार शाम एक बड़े अवैध शराब ठेके का पर्दाफाश किया है। यहां संजय कॉलोनी की पटी गली में एक महिला अपने मकान से ही बाकायदा क्यूआर कोड लगाकर ठेके से भी सस्ते दाम पर अंग्रेजी शराब, देशी शराब और बीयर बेच रही थी। पुलिस ने छापा मारकर करीब 84 लीटर शराब जब्त की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी महिला का नाम रजनी सिकरवार है। वह अपने घर की एक खिड़की पर गूगल पे और फोन-पे का क्यूआर कोड चिपकाए हुए थी। ग्राहक आते, खिड़की पर लगे कोड पर ऑनलाइन पेमेंट करते और महिला खिड़की से ही शराब की बोतल थमा देती थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि महिला लाइसेंसी ठेके से भी कम कीमत पर शराब बेचती थी। इसी वजह से उसके घर के बाहर वैध शराब दुकानों से ज्यादा भीड़ लगी रहती थी। शाम होते ही यहां खरीदारों का जमावड़ा लग जाता था। सागर हादसे के बाद एसपी के निर्देश पर चल रहे विशेष अभियान के तहत कोतवाली पुलिस को इस हाईटेक ठेके की सूचना मिली थी। घर को बना रखा था शराब का गोदाम कोतवाली टीआई अमित भदौरिया के नेतृत्व में जब पुलिस टीम ने महिला के घर पर दबिश दी तो अंदर का नजारा देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। पूरे घर को शराब के गोदाम में बदल दिया गया था। कमरे में खुलेआम शराब की पेटियां रखी थीं। फ्रिज खोलने पर उसमें खाने-पीने के सामान की जगह शराब की बोतलें और बीयर के कैन ठंडे हो रहे थे। अलमारी और उसके अंदर बने लॉकर में भी क्वार्टर और बोतलें छिपाकर रखी गई थीं। साथ ही बिक्री से आए नकद रुपये भी वहीं रखे मिले। 84 लीटर से ज्यादा शराब जब्त पुलिस ने मौके से 33 क्वार्टर रॉयल स्टैग, 4 फुल बोतल रॉयल स्टैग, 7 कैन किंगफिशर बीयर, 17 कैन लेमाउंट बीयर, 50 क्वार्टर की एक पेटी देशी लाल मसाला और 50-50 क्वार्टर वाली 5 पेटी देशी प्लेन शराब बरामद की है।

प्रयागराज में राम वनगमन पथ जगह-जगह धंसा, 500 मीटर में 118 जगह दरारें

प्रयागराज। यूपी में अयोध्या से चित्रकूट तक 210 किमी लंबा राम वनगमन पथ बनाया जा रहा है। जिन रास्तों से होकर प्रभु श्रीराम वनवास गए थे, उधर से होकर फोरलेन हाईवे बनाया जा रहा है। लेकिन, इसके शुरू होने से पहले ही प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर में हाईवे धंस गया है। करीब 500 मीटर में हाईवे की दोनों लेन पर 118 जगह सड़क धंसी है। 1 से डेढ़ फीट तक दरारें आ गई हैं। पुल की ओर जाने वाला एप्रोच हिस्सा भी एक तरफ करीब 30 डिग्री तक झुक गया है।पुल के नीचे से देखने पर एप्रोच की दीवारें भी करीब आधा फीट बाहर की ओर निकली दिख रही हैं। अब आनन-फानन दरारों को भरने का काम किया जा रहा है। दैनिक भास्कर ने प्रयागराज से करीब 35 किलोमीटर दूर श्रृंगवेरपुर में हाईवे की पड़ताल की।

हम श्रृंगवेरपुर में चित्रकूट की ओर जाने वाले राम वनगमन मार्ग पर पहुंचे। फोरलेन हाईवे की बाईं लेन पर चढ़े। यहां से करीब 500 मीटर आगे कानपुर हाईवे के ऊपर बने पुल तक सड़क जगह-जगह धंसी मिली। पुल की एप्रोच रोड भी करीब 30 डिग्री तक नीचे झुक गई है।फिर इसी पुल से लौटने के लिए दाईं लेन पर आए, तो आगे 500 मीटर तक इस तरफ भी यही हाल दिखा। दोनों लेन पर सड़क धंसी है। एक से डेढ़ फीट चौड़ी दरारें आ गई हैं। कुछ बड़े गड्ढों को हमने गिना, तो बाईं-दाईं दोनों लेन पर 500 मीटर में 118 जगह सड़क धंसी मिली। कहीं-कहीं सड़क 1 फीट तक नीचे बैठ गई है। इस पुल से आगे की तरफ बात करें, तो करीब 300 मीटर दूर गंगा पर पुल बना रहा है। हालांकि, आगे की तरफ सड़क ठीक है।

डिवाइडर से टकराई पिकअप, छह श्रद्धालुओं की मौत और 27 घायल

बागपत । यूपी में बड़ा हादसा हुआ है। बागपत के बड़ागांव के पास ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर पिकअप वाहन संख्या यूपी-24 एटी-1819 में कुल 32 लोग सवार थे, जो राजस्थान की गोगामेड़ी से वापस अपने गांव अलाहपुर, थाना उझानी, जनपद बदायूं जा रहे थे। बड़ा गांव के पास पिकअप अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई। हादसे में एक बच्ची सहित कुल छह की मौत हो गई। जबकि अन्य घायल हो गए। घायलों को सीएचसी खेकड़ा, बागपत जिला अस्पताल में पहुंचाया गया, जहां घायलों का उपचार किया जा रहा है, जबकि गंभीर रूप से घायलों को जी टी वी दिल्ली रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी अस्मिता लाल एवं पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय देर रात जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना।

मंडीदीप में कार पेड़ से टकराई, 4 युवकों की मौत

मंडीदीप। नूरगंज थाना क्षेत्र के औबेदुल्लागंज-सलकनपुर रोड पर ग्राम दीवटिया में सड़क हादसे में चार युवकों की जान चली गई। एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे इलाज के लिए भोपाल एम्स में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। हादसा ग्राम दीवटिया में पेट्रोल पंप के पास हुआ। कार तेज रफ्तार में थी और अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी में फंसे युवकों को बाहर निकालने के लिए कटर का इस्तेमाल करना पड़ा।हादसे में जान गंवाने वाले चारों युवक दीवटिया गांव के निवासी थे। ये सभी औबेदुल्लागंज से दिवटिया जा रहे थे। इसी दौरान रात करीब 12 बजे पेट्रोल टैंक के पास पेड़ से कार टकरा गई।

कश्मीर के बाद उत्तराखंड में बर्फबारी

नई दिल्ली || एजेंसी

कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी के बाद अब उत्तराखंड के पिथौरागढ़ की पंचाचूली, हरदेवल, नंदा देवी और नंदा कोट के साथ चमोली में बद्रीनाथ-हेमकुंड की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हुई है। बारिश और बर्फबारी के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड बढ़ गई है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा, नैनीताल, बागेश्वर, पिथौरागढ़ और रुद्रप्रयाग में रुक-रुककर बारिश हो रही है। वहीं, पिथौरागढ़ की पंचाचूली, हरदेवल, नंदा देवी और नंदा कोट के साथ चमोली में बद्रीनाथ-हेमकुंड की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हुई है। बारिश और बर्फबारी के बाद ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठंड बढ़ गई है। पिथौरागढ़ में सोमवार सुबह धारचूला-आदि कैलाश मोटर मार्ग पर बोल्डर गिरने से आवाजाही प्रभावित हुई। वहीं, बागेश्वर-कपकोट रोड आरे के पास बंद है। यहां लगातार पत्थर गिर रहे हैं, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित है। पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, नैनीताल और चंपावत में आज आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ सभी स्कूल बंद हैं। मौसम विभाग ने पूरे प्रदेश में बारिश और गरज के साथ बौछार की संभावना जताई है। नैनीताल, बागेश्वर, चंपावत, ऊधम सिंह नगर, पौड़ी और चमोली में कहीं-कहीं भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। कई इलाकों में आकाशीय बिजली चमकने के साथ बारिश के तेज से अति तेज दौर की भी संभावना है। इधर, बारिश के बीच केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा के पास पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से महाराष्ट्र की 60 वर्षीय महिला तीर्थयात्री की मौत हो गई। हादसे के बाद सुरक्षाकर्मियों ने यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया। करीब तीन घंटे बाद मार्ग साफ होने पर यात्रा फिर शुरू की गई। पौड़ी में लैंडस्लाइड, 7 गांवों का रास्ता बंद पौड़ी गढ़वाल में लगातार बारिश के बीच आज सुबह लैंडस्लाइड हो गई। चमोलीसैंण-नैनी कोटली मोटर मार्ग की लिंक रोड पर भूस्खलन होने से पाटली और कोटली गांव के बीच सड़क बंद हो गई है। सड़क पर भारी मलबा आने से वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित है। सड़क बंद होने से आसपास के करीब 7 गांव प्रभावित हुए हैं।

मिस्र पहुंची वायुसेना की सारंग टीम

काहिरा। भारतीय वायुसेना की सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम मिस्र पहुंच गई है। टीम आठ से 10 सितंबर, 2026 तक अल अलामीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर होने वाले दूसरे एल अलामीन इंटरनेशनल एयरशो में हिस्सा लेगी। भारतीय वायुसेना की सारंग टीम दुनिया की एकमात्र पांच हेलिकॉप्टर वाली डिस्प्ले टीम है। टीम अपने प्रदर्शन के दौरान बेहद सटीक तालमेल, पेशेवर कौशल और उड़ान क्षमता का प्रदर्शन करेगी। यह भारतीय वायुसेना के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते जुड़ाव में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है और भारत-मिस्र के बीच बढ़ते रक्षा और कूटनीतिक संबंधों को दर्शाती है।

सारंग टीम स्वदेश में डिजाइन और निर्मित एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव से उड़ान भरती है। यह टीम कठिन फॉर्मेशन मैन्युवर, कम दूरी पर उड़ान और एक साथ किए जाने वाले हवाई प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। इसके प्रदर्शन में पायलटों के असाधारण कौशल और अनुशासन के साथ भारत के स्वदेशी एयरोस्पेस उद्योग की क्षमताएं भी दिखाई देती हैं।

टीएमसी सांसद के ठिकानों पर छापा

कोलकाता || एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय ने तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद नदीमुल हक द्वारा प्रमोट किए गए उर्दू अखबार 'अखबार-ए-मशरिक' से जुड़े ठिकानों पर ने सोमवार को कोलकाता, दिल्ली और रांची में करीब सात जगहों पर छापेमारी की। जांच कथित तौर पर सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाली सामग्री के प्रकाशन व प्रसार, बेहिसाब नकद लेन-देन और संदिग्ध स्त्रोतों से फंडिंग के आरोपों से जुड़ी है। मामला बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट की स्नङ्कक्र के आधार पर सामने आया है।तृणमूल कांग्रेस से राज्यसभा में सांसद नदीमुल हक उस कंपनी के डायरेक्टर हैं, जो 'अखबार-ए-मशरिक' नाम का अखबार निकालती है। वह पेशे से पत्रकार रहे हैं और ममता बनर्जी के करीबियों में से एक हैं।यह जांच सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाली सामग्री छापने और उसे प्रसारित करने, बिना हिसाब-किताब वाले नकद लेन-देन और संदिग्ध स्त्रोतों से फंडिंग के आरोपों से जुड़ी है।अधिकारियों के मुताबिक, कोलकाता, दिल्ली और रांची में करीब सात जगहों पर छापेमारी की गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह मामला बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा दर्ज की गई स्नङ्कक्रसे जुड़ा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ईडी की कार्रवाई में अवैध लेन-देन और संदिग्ध ट्रांजैक्शन के जरिए फंडिंग से जुड़े आरोपों की भी जांच हो रही है।

एजेंसी तलाशी के दौरान दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड को देख रही है। नदीमुल हक पश्चिम बंगाल की राजनीति में टीएमली के प्रमुख चेहरों में शामिल हैं। ऐसे में उनके ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। फिलहाल एजेंसी की तलाशी जारी जांच का हिस्सा है। सामने आए आरोपों पर अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही साफ होगा। अभी कार्रवाई को लेकर श्वष्ठ की जांच और सूत्रों की जानकारी ही सामने आई है।

फैशन शो || नहलाकर खिलाई गुजिया और पापड़ी, बैलों की खास खातिरदारी और स्पेशल खाने का इंतजाम

मेहनती बैलों को मिली एक महीने की छुट्टी

सच संवाददाता || छिंदवाड़ा

भादो मास की अमावस्या किसानों और उनके बैलों के लिए किसी खास दिन से कम नहीं होती है। क्योंकि इस दिन किसान अपने सबसे मेहनती साथी को थैंक यू बोलने के लिए सुबह से उनकी खातिरदारी में लग जाते हैं। हम बात कर रहे हैं पोला पर्व की। जिसमें किसान अपने बैलों को सुबह से नहला धुलाकर सुंदर-सुंदर कपड़े पहनाकर उनके लिए स्पेशल खाने का इंतजाम करते हैं और फिर उनकी पूजा भी की जाती है। कई जगह इनके लिए फैशन शो भी आयोजित किए जाने लगे हैं। जिसके बाद सुंदर बैलों को इनाम भी दिया जाता है।

घर में होती है तैयारी

बैलों की खातिरदारी करने के लिए घर की महिलाएं सुबह से ही स्पेशल खाना तैयार करती हैं। जिसमें गुजिया के अलावा बेसन से बनी पापड़ी और खुरमा होता है। बैलों की पूजा करने के बाद बनाया हुआ खाना खिलाया जाता है और फिर इनकी देखरेख करने वाले लोगों को स्पेशल गिफ्ट भी दिया जाता है।

बैलों की खातिरदारी के साथ ही होता है फैशन शो

भादो मास की अमावस्या यानी कि इस साल 10 सितंबर को छिंदवाड़ा में भी बैलों की खातिरदारी के साथ फैशन शो आयोजित किया जाएगा। इस दिन सुबह से ही किसान अपने बैलों को नहला धुला कर बाल बनाने के साथ ही उन्हें सुंदर तरीके से कलर और कपड़ों से सजाया जाता है। इसके बाद स्पेशल तरीके से पूजा करने के बाद उनके लिए घर में बनाई गई अलग-अलग तरह की डिश उन्हें परोसी जाती है। फिर पोला ग्राउंड में एक प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। जिसमें किसान अपने बैलों को सजाधजा कर लाते हैं। जो बैल सबसे सुंदर और हेल्दी होते हैं उन्हें इनाम दिया जाता है।

बैलों को थैंक्स बोलने के लिए होता है आयोजन

किसान रामकुमार राजपूत ने बताया कि,भादो के अंतिम सप्ताह तक खेतों के सारे काम हो जाते हैं। बैल और पशुधन किसानों के सबसे मेहनती साथी होते हैं इसलिए किसान भादो मास की अमावस्या के दिन पोला पर्व मनाते हैं। ताकि वह बैलों को धन्यवाद दे सके। उसके बाद एक महीने तक बैलों से कोई काम नहीं कराया जाता था कि रबी की फसल में फिर उनसे नए तरीके से काम लिया जा सके। पोला पर्व महाराष्ट्र मनाया जाने वाला त्योहार है। छिंदवाड़ा और पांढुर्ना महाराष्ट्र से लगा हुआ जिला है, इसलिए इस परंपरा का निर्माण यहां भी सालों से चला आ रहा है।

परंपरा कायम रखने का प्रयास 16 सालों से हो रहा कार्यक्रम

छिंदवाड़ा की सार्वजनिक पोला उत्सव समिति के अध्यक्ष विजय पांडे ने बताया कि, 16 साल पहले पोला पर्व मनाने का कार्यक्रम लगभग बंद जैसा हो गया था। क्योंकि किसानों ने बैलों को पालना लगभग कम कर दिया है। खेतों में ट्रैक्टर और आधुनिक मशीन आ गई हैं जिसकी वजह से लोग पशुधन कम पालते हैं। किसानों के यहां पशुधन पालने की परंपरा जारी रहे और गोवंश पलता रहे इस परंपरा का निर्वहन के लिए हमने 16 साल पहले पोला उत्सव समिति का गठन किया और छिंदवाड़ा के पोला ग्राउंड में बैलों की सुंदरता प्रतियोगिता आयोजित करते हैं। जिनमें लोग बैलों को सजाकर लाते हैं और जो सबसे अच्छा और सुंदर बैल होता है उस जोड़ी को हम लोग सम्मानित भी करते हैं।

पत्नी ने पोर्क करी बनाने से मना किया तो पति ने कर दी हत्या

नलगोंड । तेलंगाना के नलगोंड जिले में पॉर्क करी बनाने को लेकर हुए विवाद के बाद 72 साल के बुजुर्ग ने 66 वर्षीय पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना देर रात उस समय हुई जब महिला घर में सो रही थी। पति ने धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया,। पुलिस के मुताबिक, पति और पत्नी के बीच अक्सर झगड़ा रहता था और शनिवार को पत्नी के करी बनाने से मना करने के बाद उनके बीच बहस हुई थी। अधिकारी ने बताया कि इससे नाराज होकर बुजुर्ग ने महिला पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

दुबई में मध्यप्रदेश के वैश्विक निवेश मिशन की प्रभावशाली शुरुआत, पहले दिन प्रवासी भारतीय समुदाय, राजनयिक नेतृत्व और वैश्विक निवेश नेटवर्क से हुआ सशक्त संवाद

मध्यप्रदेश सरकार का उद्देश्य निवेशकों के लिए दीर्घकालिक विकास साझेदारी का विश्सनीय मंच तैयार करना : मोहन

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में अपने चार दिवसीय वैश्विक निवेश एवं व्यापारिक दौरे के प्रथम दिवस की शुरुआत विभिन्न उच्चस्तरीय गतिविधियों और महत्वपूर्ण संवादों के साथ की। इस दौरे का उद्देश्य मध्यप्रदेश को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), वैश्विक औद्योगिक साझेदारियों तथा दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग के लिए एक अग्रणी निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। प्रतिनिधिमंडल 7 से 9 सितम्बर 2026 तक आयोजित एआईएम कांग्रेस 2026 में भाग लेकर राज्य की औद्योगिक क्षमताओं, निवेश अवसरों और विकास दृष्टि को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेगा।

दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत भारतीय मिशन के अधिकारियों द्वारा किया गया। इसके पश्चात होटल फॉर्च्यून एट्रियम में संयुक्त अरब अमीरात में रह रहे प्रवासी भारतीय समुदाय ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम में जितेंद्र वैद्य के नेतृत्व में लगभग 50 प्रवासी भारतीयों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रवासी भारतीय समुदाय को राज्य के विकास और वैश्विक ब्रांडिंग में महत्वपूर्ण साझेदार बताया।

ओडीओपी एवं जीआई उत्पाद प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ताज दुबई, बिजनेस बे में आयोजित मध्यप्रदेश के ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) एवं भौगोलिक संकेतक (जीआई) उत्पादों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का उद्घाटन कर मध्यप्रदेश की समृद्ध हस्तशिल्प, हथकरघा और पारंपरिक कला विरासत को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित किया।

प्रदर्शनी में राज्य के छह विशिष्ट विरासत उत्पादों को प्रदर्शित किया गया, जिनमें बैतूल का बेल मेटल क्राफ्ट, अशोकनगर की चंदेरी साड़ी, खरगोन के महेश्वर की महेश्वरी साड़ी, उज्जैन का बाटिक प्रिंट, भोपाल की जरी-जरदोजी तथा ग्वालियर कारपेट शामिल हैं। ये उत्पाद मध्यप्रदेश के पारंपरिक कौशल, सांस्कृतिक विविधता और निर्यात क्षमता का प्रतिनिधित्व करते हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य इन उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाना, अंतर्राष्ट्रीय खरीददारों से जोड़ना तथा कारीगरों के लिए नए आर्थिक अवसर सृजित करना है।

भारतीय राजनयिक नेतृत्व के साथ रणनीतिक विचार-विमर्श

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत डॉ. दीपक मित्तल तथा दुबई एवं नॉर्थ अमीरात के भारत के महावाणिज्य दूत डॉ. ई. विष्णु वर्धन रेड्डी के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में यूएई में कार्यरत भारतीय मिशन की भूमिका, निवेश आकर्षण की संभावनाएं तथा मध्यप्रदेश और यूएई के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

बैठक के दौरान राज्य में उपलब्ध औद्योगिक भूमि, विश्वस्तरीय कनेक्टिविटी, निवेशक-अनुकूल नीतियों, लॉजिस्टिक्स सुविधाओं तथा औद्योगिक अवसंरचना को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। साथ ही यूएई के संप्रभु निवेश कोषों, प्रमुख कॉर्पोरेट समूहों, व्यापारिक संगठनों और संस्थागत निवेशकों के साथ संपर्क स्थापित करने के लिये भारतीय मिशन के सहयोग का आग्रह किया गया। मुख्यमंत्री ने राजदूत और महावाणिज्य दूत को आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2027 में सक्रिय भागीदारी के लिए भी आमंत्रित किया।

अरब संसद के अध्यक्ष के साथ उच्चस्तरीय संवाद

प्रथम दिवस की एक अन्य महत्वपूर्ण गतिविधि अरब संसद के अध्यक्ष महामहिम मोहम्मद अहमद अल यामाही के सम्मान में आयोजित विशेष दोपहर भोज रहा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अरब देशों और मध्यप्रदेश के बीच व्यापार, निवेश, कृषि, पर्यटन और शिक्षा के क्षेत्रों में व्यापक सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने अरब निवेशकों को मध्यप्रदेश के नवकरणीय ऊर्जा, औषधि निर्माण, चिकित्सा उपकरण, वस्त्र, लॉजिस्टिक्स, उन्नत विनिर्माण और शहरी अवसंरचना क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महामहिम मोहम्मद अहमद अल यामाही तथा उनके नेतृत्व वाले अरब व्यावसायिक प्रतिनिधिमंडल को मध्यप्रदेश का दौरा करने और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2027 में सहभागी बनने का आमंत्रण दिया। बैठक के दौरान खाद्य प्रसंस्करण, कृषि मूल्य श्रृंखला, कोल्ड चेन अवसंरचना, कृषि लॉजिस्टिक्स तथा दीर्घकालिक निर्यात सहयोग की संभावनाओं पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री ने जीआईएस-2027 के लिए मध्य पूर्व और अफ्रीका क्षेत्र के अनेक देशों के संसदीय नेताओं एवं संसद अध्यक्षों को महामहिम यामाही द्वारा विशेष आमंत्रण प्रेषित किए। आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों में अल्जीरिया, बहरीन, कोमोरोस, जिबूती, मिस्र, इराक, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, लीबिया, मॉरिटानिया, मोरक्को, ओमान, फिलिस्तीन, कतर, सऊदी अरब, सोमालिया, सूडान, सीरिया, ट्यूनीशिया, संयुक्त अरब अमीरात तथा यमन के संसदीय प्रमुख शामिल हैं। इन आमंत्रणों के माध्यम से मध्यप्रदेश और पश्चिम एवं अफ्रीकी देशों के बीच निवेश, व्यापार, उद्योग, अवसंरचना विकास, नवाचार तथा आर्थिक सहयोग को नई गति देने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन देशों के संसदीय नेतृत्व को मध्यप्रदेश की निवेशक-अनुकूल नीतियों, आधुनिक औद्योगिक अवसंरचना और जीआईएस-2027 के माध्यम से उपलब्ध वैश्विक साझेदारी के अवसरों से अवगत कराते हुए सम्मेलन में सक्रिय सहभागिता का आग्रह किया।

वैश्विक मीडिया के समक्ष प्रस्तुत हुई मध्यप्रदेश की विकास दृष्टि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया संवाद में मध्यप्रदेश की औद्योगिक, अवसंरचनात्मक, पर्यटन तथा लॉजिस्टिक्स क्षमताओं को वैश्विक मीडिया के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि निवेशकों के लिए दीर्घकालिक विकास साझेदारी का एक विश्वसनीय मंच तैयार करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की सिंगल विंडो प्रणाली, त्वरित स्वीकृति तंत्र, प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों तथा राज्य की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति को निवेशकों के लिए विशेष आकर्षण बताया।

एआईएम कांग्रेस के 'टाइकून्स रात्रि भोज' कार्यक्रम में सहभागिता

दुबई दौरे के प्रथम दिवस का समापन एआईएम कांग्रेस 2026 के विशेष आमंत्रण-आधारित उच्चस्तरीय नेटवर्किंग कार्यक्रम 'टाइकून्स रात्रि भोज' में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सहभागिता के साथ हुआ। यह कार्यक्रम एआईएम कांग्रेस के अध्यक्ष महामहिम डॉ. थानी बिन अहमद अल ज़ेयूदी की मेज़बानी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सॉवरेन वेल्थ फंड्स, फैमिली ऑफिस, संस्थागत निवेशकों, वैश्विक कॉर्पोरेट नेतृत्वकर्ताओं, वित्तीय संस्थानों के प्रमुखों तथा नीति-निर्माताओं ने भाग लेकर वैश्विक निवेश एवं आर्थिक सहयोग के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर महामहिम इंजीनियर सुल्तान अहमद बिन सुलेयम अल मंसूरी, अध्यक्ष, दुबई चैंबर्स; महामहिम मोहम्मद अली राशिद लूता, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, दुबई चैंबर्स; महामहिम जासेम मोहम्मद अलबुदैवी, महासचिव, खाड़ी सहयोग परिषद, महामहिम अब्दुल्ला बिन आदेल फक्सरो, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, बहरीन साम्राज्य; महामहिम राजदूत कुबानिचबेक ओमुरालिएव, महासचिव, तुर्किक राज्यों का संगठन; तथा महामहिम बद्र जाफर, विशेष दूत, संयुक्त अरब अमीरात विदेश मंत्रालय विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महामहिम आयशा मोहम्मद सईद अल मुल्ला, अध्यक्षा, अमीरात बिज़नेस वुमेन काउंसिल; अध्यक्ष महामहिम ओबैद सैफ हमद अल ज़ाबी, कृषि निवेश एवं विकास के लिए अरब प्राधिकरण; आंद्रे वामेसो नकुआलोलोकी, गवर्नर, केंद्रीय बैंक, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो; इमैनुएल तुतुबा, गवर्नर, बैंक ऑफ तंज़ानिया; करीम सुएद, गवर्नर, बैंक दु लिबान; तथा सांगबू किम, उपाध्यक्ष विश्व बैंक समूह की उपस्थिति ने कार्यक्रम को वैश्विक निवेश, वित्तीय सहयोग और नीति संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न देशों के वरिष्ठ नीति-निर्माताओं, निवेशकों, वित्तीय संस्थानों के प्रमुखों और वैश्विक उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ संवाद करते हुए मध्यप्रदेश की निवेश-अनुकूल नीतियों, मजबूत औद्योगिक अधोसंरचना, लॉजिस्टिक क्षमताओं तथा आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2027 की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में विनिर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, नवकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, शहरी अवसंरचना, प्रौद्योगिकी तथा निर्यातोन्मुख उद्योगों में उपलब्ध व्यापक निवेश अवसरों को रेखांकित करते हुए वैश्विक निवेशकों को राज्य के विकास अभियान का सहभागी बनने का आमंत्रण दिया। इस संवाद ने मध्यप्रदेश और अंतर्राष्ट्रीय निवेश समुदाय के बीच दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग और रणनीतिक साझेदारियों की संभावनाओं को और सुदृढ़ किया।

स्वास्थ्य विभाग में अंधेरगर्दी

खरीदी में गड़बड़ी में दो फर्म ब्लैकलिस्ट, पर धांधली का जिम्मेदार फिर बना सीजीएमटी

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मध्य प्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीपीएचएससीएल) में सरकारी खरीद में गड़बड़ी करने वाले अधिकारी पर कार्रवाई करने के बजाए फिर उसी पद पर बैठाने का मामला सामने आया है। इस मामले में शिकायत के बाद फर्मों पर कार्रवाई कर ब्लैकलिस्ट कर दिया गया, लेकिन इसके जिम्मेदार अधिकारी को दोबारा एमपीपीएचएससीएल का चीफ जनरल मैनेजर टेक्निकल (सीजीएमटी) बना दिया गया। ऐसे में अब स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग में फर्जी दस्तावेजों से टेंडर लेने और निम्न गुणवत्ता का सामान सप्लाई करने वाली दो फर्मों को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। इसके लिए मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने आदेश जारी किए, लेकिन इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई करने के बजाए उसको दोबारा उसी पद पर बैठा दिया गया। दरअसल प्रदेश में लैप्रोस्कोपी उपकरणों की निविदा में फर्जी दस्तावेजों से टेंडर लेने का सत्यापन होने के बाद डिसेंट मेडिकल इक्विपमेंट सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई की गई, वहीं अस्पताल फर्नीचर की आपूर्ति करने वाली भोपाल की इनलाइन मेडिकेयर को घटिया गुणवत्ता और तकनीकी मानकों का पालन नहीं करने पर दो साल के लिए ब्लैकलिस्ट किया गया। दोनों मामलों में एक समान बात है। जिस समय संबंधित टेंडर और खरीद की प्रक्रिया पूरी हुई, उस दौरान डॉ. पंकज पराशर एमपीपीएचएससीएल में चीफ जनरल मैनेजर टेक्निकल (सीजीएमटी) की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब सवाल यह है कि जब बाद में दोनों फर्मों के खिलाफ गंभीर आपत्तियां सामने आईं और कार्रवाई हुई, तो उस समय प्रक्रिया की निगरानी करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय क्यों नहीं हुई? खास बात तो यह है कि संबंधित मामले में शिकायत के बावजूद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने पंकज

पराशर को दोबारा सीजीएमटी जैसे अहम पद की जिम्मेदारी दे दी?

पराशर को तीसरी बार बनाया सीजीएमटी

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने मध्य प्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड का सीजीएमटी डॉ. पंकज पराशर को मई-जून 2026 में तीसरी बार बनाया है। इस बार उनकी नियुक्ति के आदेश डीएमई द्वारा निकाले गए। इससे पहले पराशर 2018 से 2019 और 2023 से फरवरी 2025 तक चीफ जनरल मैनेजर टेक्निकल के पद पर पदस्थ रहे। दोनों फर्मों को टेंडर जारी करने और उनके सामान के इंस्पेक्शन के इंस्पेक्शन के समय डॉ. पंकज पराशर के पास ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी थी। अब सवाल यह है कि पंकज पराशर के समय अनियमितता सामने आने के बावजूद उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि उनको किसका संरक्षण प्राप्त हैं? वर्ष 2023 लैप्रोस्कोपी उपकरणों से जुड़े टेंडर में डिसेंट मेडिकल इक्विपमेंट सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से विदेशी कंपनियों के निर्माता के अधिकृत पत्र लगाए गए थे। इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता को लेकर शिकायत हुई थी। इस बीच कंपनी ने अस्पतालों में करोड़ों रुपये की सप्लाई कर दी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार संबंधित विदेशी कंपनियों की ओर से भी इन अधिकृत पत्रों को लेकर आपत्ति जताई गई थी। हद तो यह है कि तत्कालीन सीजीएमटी ने फर्म को बचाने के लिए नोटशीट में सत्यापन नहीं होने की बात लिख दी। अब इस मामले की जांच की गई और दस्तावेजों फर्जी होने की बात सामने आई, जिसके आधार पर फर्म के खिलाफ कार्रवाई की गई। ऐसे में साफ है कि पंकज पराशर फर्जीवाड़े को बचाने का प्रयास कर रहे थे।

छिंदवाड़ा में पक्की सड़क ही नहीं, महिला को कांधों पर लादकर 6 किमी सफर

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश में लगातार मानसून सक्रिय है। कन्हान, पेंच, जाम समेत कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। जिससे ग्रामीणों इलाकों में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ताजा मामला जुन्नारदेव के आदिवासी अंचल से सामने आया है। जहां पक्की सड़क नहीं होने के चलते एक महिला को उपचार के लिए डोली में डालकर लगभग 6 किलोमीटर का कठिन सफर तय करना पड़ा, इसके बाद उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामला जुन्नारदेव विकासखंड के झल्माऊ गांव का है, यहां का एक वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि जमीनी हकीकत क्या है। सरकार द्वारा विकास के बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत में विकास उनसे कोसों दूर नजर आता है, यहां 22 वर्षीय नवविवाहित कड्डे ढ़ीकू के पेट में अचानक दर्द उठा, लेकिन गांव तक सड़क नहीं होने के कारण परिजनों को डोली बनाकर उसे ले जाना पड़ा।नवविवाहित की हालत बिगड़ती देख परिवार के लोगों ने ग्रामीणों की मदद से लाठी और साड़ी की मदद से एक डोली तैयार की, जिसके बाद महिला को उसमें लिटाकर कंधे पर लटकाया और उसे स्वास्थ्य उपचार के लिए अस्पताल ले गए। इस दौरान परिवार पीड़ित को कांधे पर उठाकर उफानते नदी-नाले और ऊंचे-नीचे रास्ते को पार करते हुए लगभग 6 किलोमीटर का सफर तय कर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां एक निजी दवाखाना में महिला का उपचार जारी है।छिंदवाड़ा जिला कांग्रेस के प्रवक्ता गुंजन शुक्ला ने कहा, 12 साल से अधिक समय से देश में चल रही डबल इंजन की भाजपा सरकार के कथा कथित विकास मॉडल पर करारा तमाचा है।

सात साल में 60 से ज्यादा मौतों के बाद भी नहीं टूटा अवैध कारोबार का नेटवर्क

सच संवाददाता ॥ भोपाल

प्रदेश में जहरीली और अवैध शराब का कारोबार कोई नई समस्या नहीं है। पिछले करीब सात वर्षों में प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में ऐसे कई मामले सामने आए, जिनमें 60 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। हर बड़ी घटना के बाद पुलिस और आबकारी विभाग ने कार्रवाई की, अधिकारियों पर भी गाज गिरी और सरकार ने कानून को सख्त किया। इसके बावजूद अवैध शराब बनाने और बेचने का नेटवर्क पूरी तरह खत्म नहीं हो सका। सरकार ने जहरीली शराब के खिलाफ कानून को और कठोर करते हुए मौत होने के मामलों में दोषी के लिए आजीवन कारावास से लेकर मृत्युदंड तक के प्रावधान किए हैं। इसके बावजूद जमीन पर चुनौती बनी हुई है।

अक्टूबर 2020 में उज्जैन में जहरीली शराब से हुई मौतों ने पूरे प्रदेश को हिला दिया था। इस घटना में 16 लोगों की मौत हुई थी। विसरा जांच में कुछ मृतकों के शरीर में एथिल और मिथाइल अल्कोहल मिलने की बात सामने आई थी। घटना के बाद अवैध

शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई, लेकिन कुछ ही महीनों बाद प्रदेश को इससे भी बड़े शराब कांड का सामना करना पड़ा। जनवरी 2021 में मुरैना के छैरा और मानपुर गांवों में जहरीली शराब पीने से 24 लोगों की मौत हुई थी। कई लोगों की तबीयत बिगड़ी और कुछ पीड़ितों की आंखों की रोशनी तक प्रभावित हुई। इस मामले में लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद नवंबर 2025 में 14 आरोपियों को 10-10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई।

जुलाई 2021 में मंदसौर और आसपास के इलाकों में भी जहरीली शराब का मामला सामने आया। एसआईटी ने जांच के बाद इसे स्प्यूरियस लिकर से जुड़ी घटना माना था। उस समय करीब 11 मौतों की बात सामने आई थी। पुलिस ने दावा किया था कि शराब दूसरे राज्य से लाई गई थी। इससे अवैध शराब की सप्लाई और दूसरे राज्यों से होने वाली तस्करी रोकने की व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए।

जनवरी 2022 में भिंड के इंदुरखी गांव में कथित अवैध शराब पीने से चार लोगों की मौत हुई थी, जबकि छह लोग बीमार हुए थे। पुलिस ने अवैध शराब बनाने के एक ठिकाने का पता लगाने का दावा किया। घटना के बाद सात पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया और जांच के लिए एसआईटी बनाई गई। इन घटनाओं को देखें तो हर बार एक जैसा पैटर्न सामने आता है। घटना के बाद पुलिस और आबकारी विभाग सक्रिय होते हैं, शराब जब्त होती है, आरोपियों की गिरफ्तारी होती है और कई बार अधिकारियों पर भी कार्रवाई होती है। लेकिन कुछ समय बाद किसी दूसरे जिले से फिर ऐसा मामला सामने आ जाता है। इससे सवाल उठता है कि कार्रवाई के बावजूद अवैध शराब की सप्लाई पर स्थायी रोक क्यों नहीं लग पा रही है।

प्रदेश के आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना ने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोग लाइसेंसी दुकानदारों के बजाय गांवों में अनधिकृत लोगों से शराब क्यों खरीद रहे हैं और ये लोग शराब कैसे बेच रहे हैं, इसे लेकर निचले अमले को निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं तो कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ियां हैं। उन्हें दूर करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

परंपरा के नाम पर बरसते हैं मौत के पत्थर, क्या रुकेगी पत्थरबाजी

छिंदवाड़ा-पांढुर्णा गोटमार मेले में गुलेल बैन

सच संवाददाता ॥ छिंदवाड़ा

परंपरा के नाम पर पत्थरबाजी का खूनी खेल इस साल फिर 11 सितंबर को खेला जाएगा। नदी के बीचों बीच लगाए झंडे को अपने कब्जे में करने के लिए दो गांव के लोग पहुंचेंगे। इस झंडे को बचाने के लिए आपस में सैकड़ों लोग एक दूसरे पर पत्थरों की भयानक बारिश करेंगे और हर साल की तरह इस बार भी परंपरा के नाम पर इस खूनी खेल में कई घायल होंगे। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा-पांढुर्ण में इस परंपरा को गोटमार कहा जाता है, जिसमें अबतक कई लोगों की जान भी जा चुकी है।एक बार फिर प्रशासन गोटमार परंपरा को लेकर अपनी तैयार कर रह। पत्थरबाजी रोकने के लिए जिला प्रशासन ने गोटमार में गोफन (एक तरह की गुलेल) पर प्रतिबंध लगाया गया है। लेकिन सवाल ये है कि क्या इससे पत्थरबाजी रोकी जा सकेगी? आईए जानते हैं कैसे होता है पत्थरबाजी का ये खूनी खेल।

मराठी में पत्थर को गोट कहा जाता है, इसी से बना है गोटमार। इसका मतलब होता है पत्थर मारना। पांढुर्णा और सावरगांव के बीच जाम नदी और है इस जाम नदी के पोला त्योहार के दूसरे दिन सुबह एक पलाश का पेड़ पूजा करने के बाद झंडे के साथ गाड़ दिया जाता है और फिर प्रतियोगिता शुरू होती है। यहां जो भी झंडे को अपने कब्जे में करता है, वह विजेता माना जाता है। लोग इस झंडे को उखाड़ने के लिए जाते हैं, तो इस झंडे की रक्षा करने के लिए दोनों तरफ से हजारों पत्थरों की बारिश एक साथ होती है। इसमें कई लोग घायल होते हैं तो कइयों की अब तक मौत भी हो चुकी है।

प्रशासन ने इस पर लगाम लगाने के लिए कई बार प्रयास

किए लेकिन परंपरा के नाम पर चलने वाले इस खेल को रोका नहीं जा सका। इस बार भी गोटमार के दौरान गुलेल पर प्रतिबंध लगाया गया है।गोफन रस्सी का बनाया हुआ एक गुलेल होता है, जिसमें पत्थर फंसा कर फेंकने पर वह बंदूक की रफ्तार से जाकर अटैक करता है, जिससे लोगों को गंभीर चोटें भी आती हैं।साल 2001 में तत्कालीन छिंदवाड़ा कलेक्टर मलय श्रीवास्तव ने गोटमार की इस परंपरा को बदलने का प्रयास किया था। उन्होंने पत्थर की जगह प्लास्टिक की गेंदे रखवाई थीं लेकिन लोगों ने परंपरा का नाम देते हुए प्लास्टिक की गेंदें घरों में रख ली और कुछ नदियों में फेंक दीं और फिर पत्थरों से ही खूनी खेल खेला गया।प्रशासन द्वारा पांढुर्णा क्षेत्र में एक दिन पहले ही धारा 144 लागू कर दी जाती है जिससे लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा सके लेकिन लोग फिर भी नहीं मानते। खुलकर प्रशासनिक नियमों का विरोध करते हुए हजारों की संख्या में इस खेल को खेला जाता है। कुछ लोग शराब के नशे में भी एक दूसरे पर पत्थर बरसाते हैं इसलिए एक दिन पहले ही इलाके में शराब की दुकान बंद कर दी जाती है।

पांढुर्णा के वरिष्ठ पत्रकार काशीबाल पांडे ने बताया, गोटमार की परंपरा करीब 300 साल पुरानी है। बुजुर्गों ने भी बताया था कि यह परंपरा करीब 17वीं सदी से शुरू हुई थी। अब तक इसमें 14 लोगों की जान जा चुकी है और हर साल सैकड़ों की संख्या में घायल होते हैं। प्रशासन ने कई बार इसका स्वरूप बदलने की कोशिश की लेकिन परंपरा के नाम पर लोग आज भी पत्थर बरसाना नहीं छोड़ते हैं। कुछ लोग तो शराब के नशे में इसे दिनभर खेलते हैं और कुछ लोग परंपरा के नाम पर एक-एक पत्थर नदी में बरसाने जरूर जाते हैं।

आज भी ऐसे कई लोग हैं, जिनके परिवार से इस खेल के नाम पर लोगों की मौत हो चुकी है। पांढुर्णा विधायक निलेश ऊइके ने बताया, गोटमार मेले की यह परंपरा एक प्रेम कहानी से जुड़ी है। यह दो गांव की दुश्मनी और प्रेम करने वाले युगल की याद में शुरू हुई थी। कहानी के मुताबिक सावरगांव की एक युवती थी और पांढुर्णा का लड़का, जो एक-दूसरे को प्रेम करते थे। एक दिन लड़का-लड़की को लेकर भाग रहा था और जाम नदी को पार करते समय लड़की पक्ष के लोगों ने देख लिया, उन्हें फिर पत्थर मारकर रोकने की कोशिश की गई। जब यह बात लड़के वालों को पता चली तो वे भी लड़की वालों पर पत्थरबाजी करने लगे और इस पत्थर बाजी में प्रेमी और प्रेमिका की मौत हो गई। तभी से यहां ना कोई जीता ना कोई हार की तर्ज पर परंपरा का नाम देकर गोटमार मनाना शुरू कर दिया गया। आज भी झंडे को बचाने के लिए दोनों गांव के लोग प्रयास करते हैं।

केंद्रीय मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, भाजपा के प्रदेश प्रभारी, प्रदेश सह प्रभारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सांसद एवं जनप्रतिनिधियों ने मटकी फोड प्रतियोगिता में हुए शामिल

करोंद में गूंजा जय श्रीकृष्ण, हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में भव्य मटकी फोड़ प्रतियोगिता

सच संवाददाता ।। भोपाल

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर करोंद स्थित भगत सिंह चौराहे पर बीते दिन मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी एवं लोकप्रिय मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। पिछले करीब दो दशकों से आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे गोविंदा दलों ने उत्साह, साहस और टीम भावना का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की विजेता टीम को एक लाख रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी और लघु उद्योग निगम के प्रदेश अध्यक्ष सत्येन्द्र भूषण सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर गोविंदा टीमों का उत्साहवर्धन किया।

'तब भी मेरे कान्हा थे, आज भी हैं और आगे भी रहेंगे'

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि भोपाल की सड़कों पर दिखाई दे रहा उत्साह भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं की स्मृति को जीवंत कर रहा है। उन्होंने कहा कि समय बदलता रहा, लेकिन卐तब भी मेरे कान्हा थे, आज भी मेरे कान्हा हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने श्रीकृष्ण को सृष्टि का रचयिता और जगत का पालक बताते हुए भोपालवासियों की श्रद्धा और उत्साह की सराहना की। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि मटकी फोड़ महोत्सव में हर वर्ष जनता का उत्साह और स्नेह देखने को मिलता है। ऐसे आयोजन धर्म और संस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर होते रहने चाहिए। उन्होंने आयोजन में शामिल सभी लोगों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

परंपरा, भक्ति और सामाजिक एकता का पर्व

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने मटकी फोड़ महोत्सव को प्रदेश की सांस्कृतिक चेतना और धार्मिक आस्था का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी हमारी परंपरा, भक्ति और सामाजिक एकता का पर्व है। उन्होंने आयोजन की 20 वर्षों की निरंतरता की सराहना करते हुए इसे मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने वाला आयोजन बताया।पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन धर्म, सत्य, कर्तव्य और समाज के प्रति समर्पण का संदेश देता है। मटकी फोड़ जैसे पारंपरिक आयोजन युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ समाज में भाईचारे की भावना मजबूत करते हैं।

युवा पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ने का प्रयास

आयोजन समिति के अध्यक्ष, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी ने बताया कि करोंद में पिछले 20 वर्षों से आयोजित हो रहा यह कार्यक्रम अब मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी जन्माष्टमी मटकी फोड़ प्रतियोगिताओं में पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि आयोजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी को धर्म एवं संस्कृति से जोड़ना, महिला सशक्तिकरण का संदेश देना और युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना भी है।प्रतियोगिता में बैतूल, छिंदवाड़ा, सीहोर, जबलपुर, देवास और आष्टा सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों से गोविंदा दल पहुंचे। टीमों ने मटकी फोड़ने के लिए अपने कौशल, साहस और सामूहिक प्रयास का प्रदर्शन किया।

अदा शर्मा, चंकी पांडे और राजपाल यादव ने बढ़ाई कार्यक्रम की रौनक

कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा, अभिनेता चंकी पांडे और अभिनेता राजपाल यादव की विशेष मौजूदगी ने आयोजन की भव्यता बढ़ाई। सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रमोद त्रिपाठी की भजन प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। कलाकारों की प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मटकी फोड़ प्रतियोगिता देखने के लिए भोपाल सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु और दर्शक करोंद पहुंचे। पूरे आयोजन के दौरान 'जय श्रीकृष्ण' और 'राधे-राधे' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

मानस भवन में विधायक भगवानदास सबनानी का जन्मदिन मना, हजारों लोगों ने दी शुभकामनाएं

सच संवाददाता ।। भोपाल

दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता भगवानदास सबनानी का जन्मदिन रविवार को मानस भवन में भव्य समारोह के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और शहरवासियों ने पहुंचकर विधायक सबनानी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला और कई लोगों ने फूलों से स्वागत कर अपनी आत्मीयता व्यक्त की। जन्मदिन के अवसर पर विधायक सबनानी ने सुबह शहर के प्राचीन नेवरी मंदिर में सपरिवार पूजा-अर्चना की। इसके बाद संत हिरदाराम नगर स्थित संत जी की कुटिया पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने क्षेत्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर सेवा कार्य किए तथा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत नमो वन में पौधारोपण भी किया। मानस भवन में आयोजित समारोह में भगवानदास सबनानी ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों का स्नेह, प्यार और विश्वास देखकर वे अभिभूत हैं। उन्होंने जन्मदिन को उत्सव की तरह मनाने और शुभकामनाएं देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का स्नेह और विश्वास उन्हें निरंतर ऊर्जा प्रदान करता है।उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास ही उनका एकमात्र लक्ष्य है और जनता के विश्वास के अनुरूप क्षेत्र के विकास एवं जनसेवा के लिए लगातार कार्य करते रहेंगे। जन्मदिन समारोह में शहर की अनेक गणमान्य हस्तियां भगवानदास सबनानी को शुभकामनाएं देने पहुंचीं। मंत्री कृष्णा गौर, सांसद आलोक शर्मा, सांसद रजनीश अग्रवाल, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर मालती राय, शैलेंद्र शर्मा, सत्येंद्र भूषण सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, कैलाश मिश्रा, गोविंद गोयल और जिला बार अध्यक्ष देवेंद्र रावत सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई दी। इसके अलावा महापौर परिषद के सदस्य, पार्षद एवं एल्डरमैन, कर्मचारी संगठनों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों तथा रहवासी समितियों के प्रतिनिधियों ने भी समारोह में पहुंचकर विधायक सबनानी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। समारोह में बड़ी संख्या में शहरवासियों की मौजूदगी रही।

शिवसेना में नई नियुक्ति यों की कवायद

भोपाल। शिवसेना के देशभर के राज्य प्रमुखों एवं राज्य प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक नई दिल्ली में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथजी शिंदे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न राज्यों में संगठन को मजबूत करने, युवाओं को संगठन से जोड़ने तथा आगामी संगठनात्मक नियुक्तियों को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में वर्तमान में कार्यरत युवासेना की मौजूदा कार्यकारिणी को निष्क्रिय करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को नए सिरे से संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्रीय नेतृत्व की ओर से कार्यकर्ताओं से अपेक्षा व्यक्त की गई है कि वे शिवसेना प्रमुख वंदनीय हिंदूहृदयसम्राट श्री बालासाहेब ठाकरे की हिंदुत्व विचारधारा तथा धर्मवीर श्री आनंद दिघे के आदर्शों और शिक्षाओं को आगे बढ़ाते हुए संगठन को जन-जन तक मजबूत करने का कार्य करें। बैठक में मध्यप्रदेश संगठन को लेकर यह भी निर्देश दिया गया कि युवासेना राज्यप्रमुख सहित महिला आघाड़ी, कामगार सेना एवं अन्य संगठनात्मक दायित्वों के लिए योग्य, सक्षम और संगठन के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं के नाम केंद्रीय नेतृत्व को शीघ्र प्रेषित किए जाएं। शिवसेना नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी की विचारधारा एवं संगठनात्मक गतिविधियों को प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचाने का आह्वान किया है।

मेधावी बच्चों को बांटे प्रमाण पत्र

सच संवाददाता ।। भोपाल

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने आज भगवान परशुराम भवन तुलसी नगर भोपाल में प्रतिभावान बच्चों को प्रमाण पत्र एव सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया कार्यक्रम का आयोजन डॉ अनिल भार्गव प्रदेश प्रवक्ता मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ भार्गव ब्राह्मण समाज एवं मध्य प्रदेश परशुराम कल्याण बोर्ड द्वारा किया था कार्यक्रम में विशेष रूप से पंडित विष्णु राजोरिया अध्यक्ष मध्य प्रदेश परशुराम कल्याण बोर्ड मध्य प्रदेश शासन ज्योतिषाचार्य विनोद गौतम अधिवक्ता बच्चन आचार्य ब्राह्मण समाज की महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष संजना रिछारिया ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष दिनेश तिवारी पार्षद देवेंद्र भार्गव आदि उपस्थित थे। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के अध्यक्ष प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि ब्राह्मण समाज के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित करना समाज के लिए गौरव की बात है प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित करके उन्हें आगे बढ़ाने में जो भूमिका समाज निभा रहा है उस पर हमें एव समाज को गर्व है आज प्रतिभावान सैकड़ो बच्चों का सम्मान करके उन्हें समाज के लिए संकल्पित रहने का संकल्प दिलाया गया है कार्यक्रम में सैकड़ो ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ जन उपस्थित थे।

भोजपुरी समाज की कार्यकारिणी गठित

सच संवाददाता ।। भोपाल

महानगर भोजपुरी समाज ने भोपाल की सभी विधानसभा क्षेत्रों में अपनी कार्यकारिणी का गठन किया है। समाज की ओर से आयोजित प्रेसवार्ता में पदाधिकारियों ने कहा कि आने वाले समय में समाज सभी राजनीतिक दलों से विधानसभा चुनाव में टिकट की मांग करेगा। समाज के अध्यक्ष दद्दन सिंह यादव, प्रमोद ठाकुर, रिंकू ओझा, मीरा सिंह एवं महासचिव राजेश सिंह आशुतोष तिवारी ने बताया कि भोपाल में भोजपुरी समाज के 5 लाख से अधिक लोग निवास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनसंख्या के आधार पर समाज को राजनीतिक और संगठनात्मक स्तर पर उचित प्रतिनिधित्व एवं दायित्व मिलना चाहिए। पदाधिकारियों ने कहा कि समाज की एकजुटता को मजबूत करते हुए आगामी समय में राजनीतिक दलों के समक्ष अपनी मांग प्रमुखता से रखी जाएगी।

दिबांग परियोजना के लिए बीएचईएल भोपाल ने तैयार किए अत्याधुनिक वीपीआई फिक्स्चर

हाइड्रो-जनरेटर के स्टेटर बार की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी

सच संवाददाता ।। भोपाल

बीएचईएल, भोपाल के टीजीएम विभाग में सादे किंतु गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीएचईएल भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय की उपस्थिति में मेसर्स एनएचपीसी लिमिटेड की दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना में स्थापित किए जाने वाले हाइड्रो-जनरेटर के टॉप एवं बॉटम स्टेटर बार के वैक्यूम प्रेशर इम्प्रैग्नेशन (वीपीआई) के लिए आवश्यक फिक्स्चर का विनिर्माण कर उसे सीआईएम विभाग को सुपुर्द किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (फीडर्स एवं ट्रांसफॉर्मर-विनिर्माण, कमर्शियल एवं अनुरक्षण) रूपेश तैलंग तथा महाप्रबंधक (फीडर्स) संतोष डोंगरे विशेष रूप से उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि टीजीएम विभाग ने दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना के लिए अब तक के सबसे लंबे टॉप एवं बॉटम स्टेटर बार के स्टील फॉर्मर एवं वीपीआई फिक्स्चर का डिजाइन और आपूर्ति सफलतापूर्वक पूरी की है। विभाग ने इस कार्य में मटेरियल लागत में लगभग 10 प्रतिशत तथा विनिर्माण समय में 25 प्रतिशत की कमी हासिल की है। इन उपकरणों के उपयोग से स्टेटर बार की उत्पादकता में वृद्धि के साथ-साथ निर्धारित गुणवत्ता सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी। वीपीआई फिक्स्चर की प्रमुख विशेषता यह है कि यह स्टेटर बार को शून्य-रिक्तता , ठोस विद्युत इन्सुलेशन तथा उत्कृष्ट संरचनात्मक मजबूती प्रदान करने में सक्षम है। इससे हाइड्रो-जनरेटर के स्टेटर बार की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी।इस अवसर पर संबंधित विनिर्माण दस्तावेज भूषण लाल वर्मा, अपर महाप्रबंधक (टीजीएम एवं एफडीएक्स) द्वारा प्रीति गुप्ता, अपर महाप्रबंधक (सीआईएम) को सौंपे गए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय ने विभिन्न परियोजनाओं के लिए आवश्यक टूलिंग का तत्परता से डिजाइन एवं समय पर आपूर्ति करने के लिए टीजीएम विभाग की सराहना की। उन्होंने विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक (डब्ल्यूटीएम, जीजेबी एवं हाइड्रो- अनुरक्षण) मनोज नीलाम्बर, अपर महाप्रबंधक (आईएमएम एवं एलईएम) आनन्द कुमार गोस्वामी, अपर महाप्रबंधक (एचजीएम) विशाल शर्मा, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (टीजीएम) सानीलाल टोप्पो, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (आईएसई) विश्वनाथ उरॉव सहित टीजीएम विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सशस्त्र सेनाओं के 40 प्रतिभागियों ने किया बीएचईएल भोपाल का औद्योगिक दौरा

भोपाल। बीएचईएल, भोपाल में क्रिस्प (सीआरआईएसपी) द्वारा आयोजित 'इंडस्ट्रियल एक्सपोजर फॉर सीएनसी मशीन्स' प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सशस्त्र सेनाओं के 40 प्रतिभागियों ने बीएचईएल भोपाल कारखाने का औद्योगिक दौरा किया। इस दल में थल सेना, नौसेना एवं वायु सेना के वरिष्ठ जवान एवं अधिकारी शामिल थे। औद्योगिक भ्रमण के दौरान सभी प्रतिभागियों को एचआरडीसी-वर्कशॉप, हाइड्रो लैब, ट्रेक्शन ब्लॉक तथा गोल्डन जुबली ब्लॉक का भ्रमण कराया गया। इस दौरान आयोजित तकनीकी सत्र में प्रतिभागियों को बीएचईएल के विभिन्न उत्पादों, उत्पादन प्रक्रियाओं एवं कार्यशैली के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। दौरे के समापन अवसर पर हेमराम पटेल, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। अपने संबोधन में पटेल ने कहा कि यह भ्रमण सभी प्रतिभागियों के लिए सीखने का एक नया क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में भी वे भविष्य में देश के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि वे पहले से ही अच्छी तरह प्रशिक्षित एवं अनुशासित हैं और अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हैं।

सेवानिवृत शिक्षकों और प्रतिभाओं का सम्मान

सच संवाददाता ।। भोपाल

ग्राम गूगलवाड़ा के सेवानिवृत्त शिक्षकों, शासकीय सेवा में नवचयनित अधिकारी के साथ ही मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह राजधानी में आयोजित किया गया। धरोहर वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र चौहान थे। समारोह को संबोधित करते हुए एडिशनल एसपी शैलेंद्र चौहान ने कहा कि वह भी ग्राम गूगलवाड़ा के ही छात्र है और हम सभी का दायित्व है की अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा, संबल और सहयोग के उत्साहवर्धन वातावरण बनाए ताकि निरंतर प्रतिभाओं को उदय हो। उन्होंने ये भी कहा है की ग्राम गूगलवाड़ा से लगातार नई नई प्रतिभाएँ प्रतिवर्ष चयनित हो रही है जिसको प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है । सिर्फ़ छात्रों को ही प्रोत्साहन नहीं देना है बल्कि शिक्षकों को भी सम्मान देने की आवश्यकता है । सम्मान देना सिर्फ़ कर्तव्य नहीं बल्कि एक ऋण है जिसका हर व्यक्ति को पूरा करना चाहिए। इस तरह के प्रयास निरंतर जारी रहना चाहिये ।

कार्यक्रम कार्यक्रम में ग्राम गूगलवाडा के 100 से अधिक छात्र छात्राएं और दो दर्जन के लगभग सेवानिवृत और वर्तमान शिक्षक शामिल हुए । वर्तमान में नव चयनित प्रशासनिक पुलिस और अन्य सेवा के अधिकारियों को भी सम्मान किया गया।

सेवानिवृत शिक्षकों में मणि शंकर व्यास, बी एल अहिरवार पन्नालाल उमरे मानसिंह चौहान, रुखम सिंह चौहान, विजय सिंह चौहान गूगलवाड़ा छत्रपाल सिंह चौहान, रूपसिंह चौहान का सामान रखकर उनके योगदान का इस स्मरण किया गया। श्री चौहान ने अपनी सफलता श्रेय इन्ही सेवानिवृत्त शिक्षकों को दिया। संबंध पकड़ कई सेवानिवृत शिक्षक अत्यंत भावुक हो गए और इस प्रयास की मुक्तकंठ से सराहना की। शासकीय सेवाओं में ग्राम गूगलवाड़ा से नव चयनित प्रतिभाओं में भुवनेश चौहान डिप्टी कलेक्टर, कुमारी स्वीटी चौहान नायब तहसीलदार , रश्मि चौहान, नगर नियोजन अधिकारी, स्वाति चौहान चाइल्ड प्रोटेक्शन ऑफिसर, राजकुमार चौहान, अरुण चौहान, रणजीत सिंह चौहान सहित अन्य प्रतिभाएं सम्मानित हुई प्रतिभाशाली छात्र छात्रों में प्रमुख रूप से विश्वास, प्रांजलि,आराध्य,लक्ष्य मानसी, सिमरन, उज्ज्वल शिवानी, दीपिका परव, विवेक, निशा, अश्मिता, खुशी, रमा, सुहानी, माहेश्वरी, वैष्णवी, मोहिनी, अथर्व, मनीष, निशा, कनक, आदि को पुरुष्कृत किया गया ।

फूलमाली समाज ने 453 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

मेधावी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए किया प्रोत्साहित

सच संवाददाता ।। भोपाल

फूलमाली समाज भोपाल क्षेत्र की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हिंदी भवन में किया गया। समारोह में समाज के 453 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई। इनमें कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं के विद्यार्थी शामिल रहे। कार्यक्रम में खिलचीपुर के छात्र अनुज बागवान को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अनुज ने कक्षा 10वीं में 99.2 प्रतिशत अंक हासिल कर पूरे मध्यप्रदेश में चौथी रैंक प्राप्त की है।

समारोह के संयोजक अजय राज माली और फूलमाली समाज के अध्यक्ष हरिनारायण माली ने बताया कि यह प्रतिभा सम्मान समारोह लगातार 17वें वर्ष आयोजित किया जा रहा है। समाज की ओर से प्रत्येक वर्ष मेहनत और लगन से उत्कृष्ट अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उन्हें भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा अब तक सम्मानित किए गए विद्यार्थियों में से कई आज विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे पदों पर कार्य कर रहे हैं। प्रतिभाओं को सम्मानित करने का उद्देश्य उन्हें मंच उपलब्ध कराने के साथ-साथ अन्य विद्यार्थियों को भी शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में फूलमाली समाज मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं वार्ड-36 के पार्षद गीता प्रसाद माली, पूर्व अपर कलेक्टर जीपी माली, घनश्याम राहुल, राजेंद्र सैनी सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री विश्वास सारंग, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, महापौर मालती राय, पूर्व मंत्री एवं विधायक जयवर्धन सिंह, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और सांसद आलोक शर्मा सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संपादकीय

पीएम संबोधन में शिक्षा गायब

पांच सितंबर को 'शिक्षक दिवस' आया और चला गया। कुछ रस्मी आयोजन जरूर किए गए। देश में यह दिवस प्रथम उपराष्ट्रपति एवं दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन पर मनाया जाता है। वह महान दार्शनिक और शिक्षाविद थे। राधाकृष्णन की अदम्य और विनम्र इच्छा थी कि उनका जन्मदिन शिक्षा और शिक्षकों को समर्पित किया जाएगा, तो अच्छा रहेगा। 1962 से यह सिलसिला जारी है कि 5 सितंबर को 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है। मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षक को 'नियति का निर्माता' करार दिया है, तो प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों से मुलाकात की। उनके साथ हल्के-फुल्के पल भी जिए। बच्चों के संदर्भ में स्क्रीन टाइम और नशे की लत से बचाने की नसीहत भी दी। इसी दिन प्रख्यात श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स का 'शताब्दी समारोह' भी मनाया गया। प्रधानमंत्री मोदी मुख्य अतिथि थे और उन्होंने छात्रों की युवा पीढ़ी, जेन-जी, को संबोधित भी किया। अपेक्षा थी कि प्रधानमंत्री शिक्षा, स्कूल, परीक्षा और रोजगार पर सरकार की नीतियों और विचाराधीन कार्यक्रमों, योजनाओं पर कुछ साझा करेंगे, लेकिन उनका संबोधन 2013 की स्थितियों और 'आधा गिलास खाली' की राजनीति पर ही केंद्रित रहा। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि 2014 से पहले का कालखंड निराशा, हताशा के दलदल में फंसा था। घोटाले चरम पर थे।

विकास फर्श पर और महंगाई अर्श पर थी। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप इंटरनेट खोल कर सब कुछ पढ़ और जान सकते हैं कि तब हालात क्या थे? दरअसल हमारा सवाल यहीं उभरता है कि क्या अध्ययनरत छात्रों का यही सरोकार होना चाहिए? उन्हें शिक्षा, परीक्षा, रोजगार के प्रति आश्वस्त नहीं किया जाना चाहिए था? प्रधानमंत्री का संबोधन था, न कि एक विशुद्ध राजनेता छात्रों के साथ संवाद कर रहा था! यहां हम कुछ आंकड़े फिर दोहरा रहे हैं, ताकि पाठक और सरकार जान सकें कि देश में स्कूली शिक्षा और आधारभूत ढांचे का यथार्थ क्या है? 2014-25 के दौरान 1.02 लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं और 1.04 लाख स्कूलों में एक ही अध्यापक (शिक्षक?) है। क्या वह अपने शिक्षक-धर्म को निभा सकता है? करीब 70,000 स्कूलों में शौचालय की सुविधा नहीं है, 55083 स्कूलों में लाइब्रेरी नहीं है, 4.08 लाख स्कूलों में कम्प्यूटर की व्यवस्था नहीं है, 46345 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है और देश के 48 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों से ही शिक्षित होने को बाध्य हैं। करीब 48 फीसदी छात्र 12वीं कक्षा तक पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। ऐसे यथार्थ में हम एक पर्याप्त पढ़ी-लिखी, हुनरमंद जेन-जी की पीढ़ी कैसे पैदा कर सकते हैं? ऐसे कई आंकड़े प्रधानमंत्री मोदी के ध्यान में होंगे! उन्हें 'शिक्षक दिवस' पर कौन-सा प्रधानमंत्री स्वीकार करेगा? छात्रों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सरकार की खूब गालबजाई की। पहली तिमाही की विकास दर 7.8 फीसदी को 'अतुलनीय' और वैश्विक करार दिया।

जीडीपी से नहीं, जमीन पर नजर आए बदलाव

भारत में सबसे अमीर 10 फीसदी लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग 65 फीसदी हिस्सा है। सबसे ज्यादा कमाई करने वाले 10 फीसदी लोग राष्ट्रीय आय का 58 फीसदी हिस्सा पाते हैं, जबकि सबसे निचले 50 फीसदी लोगों को सिर्फ 15 फीसदी मिलता है। आर्थिक असमानता की यह खाई लगातार बढ़ती जा रही है। निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री का यह हक है कि जीडीपी की ग्रोथ पर खुशी मनाने का आह्वान करें, पर जब तक इसका असर देश की मूल समस्याओं के निराकरण में नजर नहीं आएगा, देश के लोगों की उदासी दूर नहीं होगी। सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी युवाओं को रोजगार देना होगा। बड़ी संख्या में युवा अभी बेरोजगार हैं। उन्हें उनकी शिक्षा के अनुरूप रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इस दिशा में कुछ प्रयास जरूर हुए हैं, फिर भी अभी और काम करने की जरूरत है। रोजगार मिलने से कई समस्याएं हल हो जाएंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से भारत की तरक्की का जश्न मनाने के लिए कहते हुए 7.8 फीसदी की शानदार जीडीपी ग्रोथ के लिए बधाई दी। सवाल यह है कि क्या आम आदमी देश में जीडीपी ग्रोथ को समझता है। क्या जीडीपी बढ़ना देश की मौजूदा समस्याओं के समाधान का कोई पैमाना है। देश में जब प्रधानमंत्री जीडीपी बढ़ोतरी की घोषणा कर रहे थे, उसी दिन कमर्शियल एलपीजी के दाम में बढ़ोतरी हो गई है। दिल्ली में इसके दाम में 9.50 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में अब कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2747.50 रुपए, मुंबई में 2701 रुपए और चेन्नई में 2916.50 रुपए हो गई है। कमर्शियल सिलेंडर के महंगे होने से होटल, ढाबे आदि में खाना-पीना महंगा होना तय है। वहीं घर मिलने वाली चीजों के दाम में भी बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा 5 किलो वाले गैस सिलेंडर का भी दाम 2 रुपए बढ़कर 764 रुपए हो गया है।

मुंबई और तमिलनाडु में दूध महंगा हो गया है। बॉम्बे मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने थोक दूध की कीमतों में 9 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इससे दूध की थोक दर 93 रुपए से बढ़कर 102 रुपए प्रति लीटर हो गई है। भारत में जुलाई-अगस्त 2026 के दौरान खाद्य महंगाई दर बढ़कर 5.52 प्रतिशत हो गई है, जिसके कारण चीनी, प्याज, टमाटर, दाल और खाना पकाने के तेल जैसी जरूरी रसोई की चीजें महंगी हो गई हैं। चावल और दूध के दाम भी स्थिर से लेकर उच्च स्तर पर बने हुए हैं। महंगाई बढ़ने के कारण प्याज (22.54 फीसदी), लहसुन (35.36 फीसदी) और अदरक (83.62 फीसदी) की कीमतों में भारी तेजी आई है। ईंधन और परिवहन महंगाई बढ़कर 4.43 फीसदी हो गई है, जिससे माल ढुलाई की लागत बढ़ी है। रेस्त्रां और आवास सेवाओं की महंगाई दर बढ़कर लगभग 7.72 फीसदी हो गई है। देश के आम आदमी को हर दिन होने वाली कठिनाइयों से जूझना पड़ रहा है। देश का मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग को जीडीपी की ग्रोथ से अंतर तब पड़ता है, जब उनकी बुनियादी सुविधाओं में कोई बेहतरी नजर आए।

देश में पानी, बिजली, स्कूल, अस्पताल, सडक़, रोजगार, महंगाई जैसी बुनियादी समस्याओं की भरमार है। इनसे राहत मिलती भी है तो ऊंट के मुंह में जीरे जितनी। इससे बदलाव नजर नहीं आता। भारत की आधी से अधिक आबादी यानी करीब 60 करोड़ लोग गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं। देश के भूजल का बड़ा हिस्सा आर्सेनिक, फ्लोराइड

और अन्य भारी धातुओं (हैवी मेटल्स) की वजह से दूषित हो चुका है। बारिश का पर्याप्त पानी होने के बावजूद उचित हार्वेस्टिंग (संचयन) न होने के कारण पानी बेकार बह जाता है। नीति आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, साफ पीने का पानी न मिलने के कारण हर साल देश में करीब 2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2026 में भीषण गर्मी, रिकॉर्ड बिजली मांग (मई 2026 में 270 गीगावाट से अधिक) और स्थानीय रखरखाव के कारण उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, ओडिशा और तेलंगाना जैसे कुछ राज्यों के इलाकों में आंशिक या अस्थायी कटौती की गई। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत में बेघरता की दर प्रति 10000 लोगों पर 13 है। अर्थात 17 प्रतिशत लोगों के पास अपना घर नहीं है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 35 प्रतिशत गांवों में स्थानीय स्तर पर कोई भी बुनियादी चिकित्सा सुविधा या स्वास्थ्य केंद्र उपलब्ध नहीं है। ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों और सर्जनों की भारी कमी है, जो लगभग 80 प्रतिशत तक खाली पड़े हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 10 वर्षों (2014-15 से 2024-25) में देश भर में करीब 94000 सरकारी स्कूल बंद या आपस में मर्ज किए गए हैं। इसका मतलब है कि औसतन हर दिन 25 स्कूलों पर ताला लगा है। इसी दशक में सरकारी स्कूलों में कुल छात्रों का नामांकन 2.26 करोड़ कम हुआ है, जो 2014-15 के 26.95 करोड़ से घटकर 2024-25 में 24.69 करोड़ रह गया है। देश के एक लाख से अधिक स्कूलों में आज भी बिजली की उचित सुविधा नहीं है, और कई स्थानों पर पीने का साफ पानी उपलब्ध नहीं है। 71959 स्कूलों में लड़कियों के लिए और 1.12 लाख स्कूलों में लडक़ों के लिए काम करने वाले शौचालय मौजूद नहीं हैं।

1.39 लाख स्कूलों में लाइब्रेरी और 2.65 लाख स्कूलों में खेल का मैदान नहीं है। डिजिटल लाइब्रेरी का अभाव तो लगभग 13.62 लाख स्कूलों में है। भारत में 15 से 29 वर्ष के युवाओं की बेरोजगारी दर जून 2026 में बढक़र 16.2 फीसदी हो गई है। 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में यह दर बढक़र 20.7 फीसदी हो गई। इसी आयु वर्ग के पुरुषों में यह दर 14.6 फीसदी दर्ज की गई। जून 2026 में शहरी युवा बेरोजगारी दर 18.2 फीसदी और ग्रामीण युवा बेरोजगारी दर 15.1 फीसदी रही। नीति आयोग की बहुआयामी गरीबी सूचकांक रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अधिक गरीबी वाले राज्य बिहार में 51.91 फीसदी आबादी गरीब है। झारखंड में 42.16 फीसदी लोग गरीबी में जीवन बिता रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में 37.79 फीसदी जनसंख्या गरीब है। मध्य प्रदेश में 36.65 फीसदी लोग गरीब हैं। भारत में सबसे अमीर 10 फीसदी लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग 65 फीसदी हिस्सा है। सबसे ज्यादा कमाई करने वाले 10 फीसदी लोग राष्ट्रीय आय का 58 फीसदी हिस्सा पाते हैं, जबकि सबसे निचले 50 फीसदी लोगों को सिर्फ 15 फीसदी मिलता है। आर्थिक असमानता की यह खाई लगातार बढ़ती जा रही है। निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री का यह हक है कि जीडीपी की ग्रोथ पर खुशी मनाने का आह्वान करें, पर जब तक इसका असर देश की मूल समस्याओं के निराकरण में नजर नहीं आएगा, देश के लोगों की उदासी दूर नहीं होगी। सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी युवाओं को रोजगार देना होगा। बड़ी संख्या में युवा अभी बेरोजगार हैं। उन्हें उनकी शिक्षा के अनुरूप रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इस दिशा में कुछ प्रयास जरूर हुए हैं, फिर भी अभी और काम करने की जरूरत है। रोजगार मिलने से कई समस्याएं हल हो जाएंगी।

-योगेंद्र योगी

साझी संस्कृति की अनूठी ऐतिहासिक नंदा राजजात यात्रा

नंदा देवी राजजात उत्तराखंड की अनूठी धार्मिक-आध्यात्मिक यात्रा है, जो मां नंदा को ध्याण के रूप में कैलास विदा करने की भावुक परंपरा, लोकविश्वास, इतिहास और रोमांच को समेटे हुए है।

नंदा राजजात का धार्मिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्त्व है। यह यात्रा रहस्य और रोमांच से भरपूर है। 9वीं सदी में गढ़वाल के तत्कालीन राजा ने यह यात्रा शुरू की। तब से यह धार्मिक यात्रा हर 12 वर्ष के बाद आयोजित की जाती है। हालांकि, सन 1905 से 2014 के बीच अब तक केवल सात बार यह यात्रा आयोजित की गई। यात्रा में 280 किलोमीटर तक बर्फीले रास्तों और कठिन रास्तों से होकर अंतिम पड़ाव रूप कुंड (होमकुंड) में पहुंचा जाता है। ख़ास बात यह कि यात्रा की अगुवाई चार सींगों वाला भेड़ (चौसिंग्या खाडू) करता है। इस यात्रा को एशिया की सबसे लंबी और कठिन पैदल धार्मिक यात्रा माना जाता है।उत्तराखंड देवभूमि में मां नंदा केवल देवी नहीं, बल्कि पहाड़ की विवाहित बेटी (ध्याण) के रूप में मान्यता रखती हैं।

नंदा राजजात महज़ यात्रा नहीं, बल्कि विशुद्ध रूप से धार्मिक और आध्यात्मिक यात्रा है। यह अपनी ध्याणी (विवाहिता बेटी) को मायके से ससुराल (कैलाश पर्वत) विदा करने का अनूठा और भावुक लोक-उत्सव है। प्रतिवर्ष भाद्रपद मास में नंदा-जात (छोटी जात) आयोजित होती हैं। लेकिन नंदादेवी राजजात तय समय में परंपरा और शास्त्रों के अनुसार ही आयोजित की जाती है।

280 किमी का कठिन-निर्जन सफ़र

उत्तराखंड राज्य के सीमांत जनपद चमोली के नौटी गांव से शुरू होकर यात्रा उच्च हिमालय क्षेत्र होमकुंड पर ठहरती है। समुद्र की गहराई से 17,500 फीट की ऊंचाई तक जाने वाली यह यात्रा 20 दिनों में पूरी होती है। पैदल और कड़ाके की ठंड। श्रद्धालु कड़ाके की ठंड, घने जंगलों, खड़ी चट्टानी चढ़ाइयों और ऑक्सीजन की कमी वाले रास्तों से गुज़रते हैं।

रिंगाल से बनती पवित्र छंतोली

राजजात की अगुवाई के लिए रिंगाल (विशेष प्रजाति का पहाड़ी बांस) से बनी एक छतरी बनाई जाती है। इसे छंतोली कहा जाता है। स्थानीय मान्यतानुसार इसको मां नंदा का प्रतीक मानकर पूरे रास्ते अत्यंत श्रद्धा से ले जाया जाता है। इसको लेकर जाने वालों को पूरे नियम और संयम का पालन करना होता है।

यात्रा से पहले दो धार्मिक आयोजन

नंदादेवी राजजात आयोजन से पहले दो प्रमुख धार्मिक आयोजन होते हैं। इसमें एक मोडवी और दूसरा मनौती। मोडवी उत्सव में स्थानीय क्षेत्रपाल और उफ़राई देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। मोडवी के बाद चौसिंग्या मेड़ा के उत्पन्न होने की सूचना राजकुंवरों को विधिवत रूप से दी जाती है। इसके बाद राजकुंवर मां नंदा से मनौती मांगते हैं। इसके बाद राजकुमारों द्वारा मां नंदा से मनौती मांगी जाती है।

चौसिंग्या खाडू (चार सींगों वाली भेड़)

इस यात्रा में चार सींगों वाला नर भेड़ (चौसिंग्या खाडू) केंद्र में होता है। लोक-मान्यता है कि जब 12 साल बाद राजजात का समय आता है, तो चांदपुर गढ़ी क्षेत्र के किसी भी गांव में चार सींगों वाला भेड़ जन्मता है। जो चौसिंग्या खाडू मान्यता और शास्त्रों के अनुरूप खरा उतरता है, उसका चयन किया जाता है। चौसिंग्या खाडू के चयन का अधिकार कासवा गांव, चांदपुर क्षेत्र और राजवंशी कुंवरों के पास है। इसके बाद राजकुंवरों द्वारा मां से मनौती मांगी जाती है। चौसिंग्या खाडू बिना किसी रस्सी या किसी सहायता के यात्रा की अगुवाई करते हुए 280 किलोमीटर तक स्वयं रास्ता दिखाता है।

अकेले कैलास की ओर प्रस्थान

होमकुंड में अंतिम पूजा और अन्य अनुष्ठान के बाद यह चौसिंग्या खाडू मां नंदा देवी के वस्त्र, आभूषण और प्रसाद अपनी पीठ पर लादकर अकेले निर्जन, बर्फ से ढके उच्च हिमालय क्षेत्र की ओर प्रस्थान करता है। बताया जाता है कि वह कभी वापस दिखाई नहीं देता।

बेटी की भावुक विदाई

इस यात्रा का पहला और अंतिम पड़ाव बड़ा भावुक होता है। अंतिम पड़ाव होमकुंड में जब मां नंदा की विदाई का समय आता है तो उस समय यात्रा में शामिल हर व्यक्ति की आंखें नम हो जाती हैं। उनकी आंखों से आंसुओं की धारा बह निकलती है। पारंपरिक जागरों के साथ मां नंदा को कैलाश के लिए विदा किया जाता है। यह पल ठीक उसी तरह का होता है, जब किसी बेटी को उसके ससुराल विदा किया जाता है।

गढ़वाल-कुमाऊं की साझी संस्कृति

यह यात्रा गढ़वाल और कुमाऊं की साझा संस्कृति की मिसाल है। इसमें स्थानीय पारंपरिक जागर, लोकगीत, पारंपरिक वाद्य ढोल-दमाऊ यात्रा की ख़ास पहचान हैं। इसमें गढ़वाल और कुमाऊं मंडल की देव छंतोलियां भी सम्मिलित होती हैं। सभी अंतिम पड़ाव तक साथ चलती हैं।

सिर्फ हस्ताक्षर नहीं अधिकार है साक्षरता

हर वर्ष 8 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाता है। साक्षर का मतलब होता है -पढ़ने-लिखने में सक्षम व्यक्ति। मतलब यह है कि जो व्यक्ति पढ़ और लिख सकता हो तथा लिखी हुई बात को समझ सकता हो,साक्षर कहलाता है।इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य शिक्षा और साक्षरता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कोई भी व्यक्ति हो, हर किसी को ज्ञान और सूचना से जोड़ने का माध्यम साक्षरता ही है। जब कोई व्यक्ति साक्षर होता है तो वह शिक्षा के माध्यम से ज्ञान और सूचनाएं प्राप्त कर सकता है और जब व्यक्ति के पास ज्ञान और सूचनाएं होतीं हैं, तो वह व्यक्ति न केवल अपने जीवन को बेहतर ढंग से जी सकता है, बल्कि शिक्षा के माध्यम से सामाजिक और आर्थिक विकास में भी अपना महत्वपूर्ण और अहम् योगदान दे सकता है। सच तो यह है कि आज के युग में प्रत्येक व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच बहुत ही जरूरी हो गई है, क्यों कि एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त व्यक्ति ही आज के एआइ तथा डिजिटल युग में डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता और सूचना की सही पहचान कर सकता है। वास्तव में आज जरूरत इस बात की है कि महिलाओं, बच्चों और वंचित वर्गों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध हों। शिक्षा का मतलब केवल अक्षर ज्ञान नहीं हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि शिक्षा व्यक्ति को केवल और केवल अक्षर ज्ञान ही नहीं देती है, बल्कि यह व्यक्ति विशेष को जीवन में आत्मनिर्भर, अधिक जागरूक और अधिकार-संपन्न भी बनाती है। यदि हमें किसी राष्ट्र को प्रगति के पथ पर अग्रसर करना है तो शिक्षा ही वह अनमोल रत्न है,जो उस राष्ट्र विशेष को प्रगति के पथ पर आगे ले जा सकता है।

सोन जल समझौते से सहकारी संघवाद की नई राह

अंतरराज्यीय नदियाँ केवल बहते पानी की नदियाँ ही नहीं हैं, बल्कि ये जीवन रेखाएँ हैं जो कृषि उत्पादन, पेयजल आपूर्ति, उद्योगों, पारिस्थितिकी तंत्र और लाखों लोगों की आजीविका को सहारा देती हैं। हालाँकि, नदियों का प्रवाह राज्य की सीमाओं को भी पार कर सकता है, इसलिए इनका प्रबंधन राज्यों के बीच टकराव का कारण बन सकता है। हाल ही में बिहार-झारखंड के बीच सोन नदी को लेकर हुआ समझौता, जिसका उद्देश्य लगभग 25 वर्षों से चले आ रहे जल विवाद को बातचीत के माध्यम से हल करना है, सतत जल प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है ङ्क एक ऐसा जल मुद्दा जिसे केवल सहयोग से ही सुलझाया जा सकता है, न कि टकराव से। अंतरराज्यीय जल संघर्षों के निरंतर बने रहने का मुख्य कारण जल विकास के लिए परस्पर विरोधी हित हैं। एक राज्य सिंचाई के लिए अधिक जल का उपयोग कर सकता है, जबकि दूसरा पेयजल, उद्योग या शहरी विकास के लिए। ये सभी आवश्यकताएँ जायज़ हैं, लेकिन जल सीमित है। यदि कई राज्य एक ही नदी पर निर्भर हैं, तो संसाधन दुर्लभ हो जाते हैं और इन आवश्यकताओं को संतुलित करना संघीय प्रशासन के लिए एक चुनौती बन जाता है। विभिन्न क्षेत्रों और ऋतुओं में जल असंतुलन से जटिलताएं और बढ़ जाती हैं। मानसून के मौसम में अच्छी वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में उस दौरान भारी वर्षा हो सकती है, लेकिन ग्रीष्म ऋतु में वर्षा की कमी हो सकती है। इस प्रकार, एक नदी एक वर्ष भरपूर जल से भरी हो सकती है और दूसरे वर्ष विरल हो सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण यह स्थिति और भी अनिश्चित होती जा रही है। वर्षा के बदलते पैटर्न से नदियों के प्रवाह में परिवर्तन हो रहा है, जबकि लंबे समय तक सूखा पड़ने और चरम मौसम की घटनाएं भी जल उपलब्धता को प्रभावित कर रही हैं और जल उपलब्धता के बारे में अनुमानों को कम विश्वसनीय बना रही हैं। प्रशासनिक पुनर्गठन से ऐतिहासिक समझौतों पर असहमति भी उत्पन्न हो सकती है। बिहार-झारखंड संबंधों के मामले में भी यही स्थिति है। एक ही प्रशासनिक ढांचे के भीतर हुए समझौतों पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है यदि राज्यों का पुनर्गठन हो और उनकी कृषि, जनसंख्या और आर्थिक आवश्यकताएं विकसित हों। दशकों पहले प्रचलित निष्पक्षता की अवधारणा वर्तमान संदर्भ में लागू होना आवश्यक नहीं है। संघर्ष का एक अन्य बड़ा कारण ऊपरी इलाकों में चल रही परियोजनाओं का विकास और उनका उपयोग है। बांधों, बैराजों और सिंचाई योजनाओं के कारण निचले इलाकों में पानी की मात्रा और निकासी का कार्यक्रम प्रभावित हो सकता है। सूचना

साझाकरण और राज्यों के बीच परियोजना समन्वय के अभाव में, तकनीकी कार्य में निपुणता भी अविश्वास का कारण बन सकती है। पारदर्शी और वास्तविक समय के जलवैज्ञानिक आंकड़ों की अनुपलब्धता विवादों को और बढ़ा देती है। राज्यों के बीच आवंटित जल की मात्रा और उपलब्ध जल की मात्रा को लेकर अलग-अलग लक्ष्य हो सकते हैं। यदि वर्षा की मात्रा, नदी के प्रवाह, जलाशयों के स्तर और जल उपयोग के बारे में कोई साझा, वैज्ञानिक रूप से स्वीकृत जानकारी उपलब्ध नहीं है, तो बातचीत आसानी से परस्पर विरोधी मांगों पर बहस में बदल सकती है। अगर लोग राजनीतिक रूप से संगठित हो जाते हैं तो स्थिति और बिगड़ सकती है। पानी का मुद्दा भावनात्मक है और इसका किसानों, परिवारों और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है। अगर तकनीकी समस्या क्षेत्रीय मुद्दा या राजनीतिक विवाद बन जाती है, तो समझौता करना मुश्किल हो जाता है। संस्थागत संवाद का यही उद्देश्य है, ताकि यह एक लंबा संघीय संघर्ष न बन जाए। सोन नदी के लिए बिहार-झारखंड का दर्जा समझौता वार्ता के महत्व का एक उदाहरण है। दोनों राज्यों ने आपसी सहमति से समाधान खोजने के लिए एक-दूसरे से संपर्क साधकर अहिंसक तरीके से विवाद को सुलझाने का प्रयास किया है। रिपोर्ट के अनुसार, बिहार को 575 करोड़ एकड़-फीट (ख़्त्न) और झारखंड को 2 करोड़ एकड़-फीट (ख़्त्न) जल आवंटन प्राप्त हुआ है। लेकिन इस समझौते का प्रभाव केवल इन आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी परिणाम भी हैं। इसका वास्तविक महत्व यह संदेश देना है कि राज्य अपने हितों की रक्षा करने के साथ-साथ अन्य राज्यों की आवश्यकताओं को भी समझने में सक्षम हैं। बातचीत से साझा अवसंरचना के बेहतर उपयोग के अवसर भी मिल सकते हैं। खंडित जल प्रबंधन की बजाय समन्वित जल प्रबंधन से इंद्रपुरी बैराज और उससे जुड़े नहर नेटवर्क से अधिक लाभ प्राप्त हो सकते हैं। साझा अवसंरचना को सहयोग का आधार बनना चाहिए, न कि विभाजन का नया कारण। अब भारत के लिए राज्य-आधारित दृष्टिकोण से हटकर नदी-बेसिन-आधारित दृष्टिकोण अपनाने का समय आ गया है। नदी बेसिन एक एकल पारिस्थितिक-आर्थिक इकाई है। इसलिए जल नियोजन के लिए नदी के ऊपरी और निचले समुदायों, भूजल, पर्यावरणीय प्रवाह, कृषि, पेयजल और औद्योगिक उपयोगों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। सर्वप्रथम, जलविज्ञानीय डेटा साझा करने की खुली और अद्यतन प्रक्रियाओं को स्थापित करना महत्वपूर्ण है। रुचि रखने वाले सभी राज्यों को एक ही विश्वसनीय जानकारी तक पहुंच प्राप्त होनी चाहिए। प्रौद्योगिकी नदियों की निगरानी की सटीकता में सुधार करने और विभिन्न स्रोतों से प्राप्त डेटा पर विवाद को कम करने में सहायक हो सकती है। दूसरे, मध्यस्थता के तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है। अंतर-राज्य परिषद और क्षेत्रीय परिषदों द्वारा उपलब्ध कराए गए संरचित मंचों का उपयोग मुकदमेबाजी या न्यायिक कार्यवाही से पहले उभरते जल मुद्दों पर चर्चा करने के लिए किया जा सकता है, जिससे भविष्य के विवादों को रोकने में मदद मिलेगी। यद्यपि न्यायालयों और न्यायाधिकरणों की महत्वपूर्ण भूमिका है, फिर भी बातचीत के माध्यम से किए गए समझौते बदलती परिस्थितियों के अनुरूप होने और दीर्घकालिक संबंधों को बनाए रखने में अधिक सहायक हो सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अंतरराज्यीय नदियों को किसी एक राज्य की संपत्ति नहीं बल्कि राज्यों द्वारा साझा की जाने वाली एक पारिस्थितिक और आर्थिक प्रणाली के रूप में माना जाना चाहिए। जो राज्य एक ही जल बेसिन साझा करने वाले अन्य राज्यों के हितों की अनदेखी करता है, वह दीर्घकालिक रूप से जल सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता। सहयोग करना कोई समझौता नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है। बिहार-झारखंड सोन समझौता भारत के संघीय भविष्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है। जब जल विवाद लंबी बातचीत का विषय बन जाते हैं, तो निरंतर संवाद, विश्वसनीय जानकारी और प्रभावी सहकारी संस्थानों के माध्यम से साझेदारी के अवसर उत्पन्न हो सकते हैं। नदियाँ राज्यों की सीमाओं को नहीं पहचानतीं। हमें जल प्रबंधन में इन सीमाओं से ऊपर उठना होगा। भारत में जल सुरक्षा नदियों पर प्रतिस्पर्धा के माध्यम से नहीं, बल्कि जल के प्रति साझा जिम्मेदारी से प्राप्त की जा सकती है।

महिला एशिया कप: भारत जीता तो फिर ट्रॉफी पर फंस सकता है पेंच! फाइनल देखने पहुंच सकते हैं नकवी, ड्रामे की आशंका

दुबई। एशिया कप की ट्रॉफी को लेकर पिछले साल हुआ विवाद अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और अब महिला एशिया कप में भी ऐसा ही मामला सामने आने की आशंका जताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी 13 सितंबर को होने वाले महिला एशिया कप फाइनल के लिए दुबई में मौजूद रहेंगे। उन्हें समापन समारोह का मुख्य अतिथि बनाया गया है। नकवी के फाइनल में मौजूद रहने और विजेता टीम को ट्रॉफी सौंपने की संभावना के कारण 2025 के पुरुष एशिया कप फाइनल जैसा विवाद दोबारा खड़ा होने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

फाइनल में चीफ गेस्ट होंगे मोहसिन नकवी

जियो सुपर की रिपोर्ट के मुताबिक, मोहसिन नकवी 13 सितंबर को महिला एशिया कप के फाइनल में शामिल होंगे। उन्हें टूर्नामेंट के समापन समारोह के लिए चीफ गेस्ट बनाया गया है। ऐसे में अगर भारतीय महिला टीम फाइनल में पहुंचकर खिताब जीतती है तो ट्रॉफी सौंपने को लेकर स्थिति पेचीदा हो सकती है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम टूर्नामेंट में खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है और वह पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी है। ऐसे में अगर भारत फाइनल जीतता है तो टीम और नकवी के बीच ट्रॉफी लेने को लेकर फिर गतिरोध पैदा होने की संभावना जताई जा रही है।

भारत-पाकिस्तान मैच में भी नहीं मिला था हाथ

भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया मुकाबले के दौरान भी दोनों टीमों के कप्तानों के बीच हैंडशेक नहीं हुआ था। हरमनप्रीत कौर और पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने मैच के दौरान हाथ नहीं मिलाया था। पिछले साल पुरुष एशिया कप में भी ऐसा ही मामला देखने को मिला था। उस समय भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा के बीच हैंडशेक नहीं हुआ था। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तनाव और प्रोटोकॉल को लेकर काफी चर्चा हुई थी।

2025 पुरुष एशिया कप फाइनल में क्या हुआ था?

2025 के पुरुष एशिया कप फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराकर खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद पुरस्कार समारोह में मोहसिन नकवी भारतीय टीम को ट्रॉफी सौंपने के लिए कथित तौर पर करीब आधे घंटे तक पोडियम पर इंतजार करते रहे। हालांकि, सूर्यकुमार यादव और उनकी टीम ने नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारतीय टीम चाहती थी कि ट्रॉफी किसी अन्य एसीसी अधिकारी के हाथों सौंपी जाए। टीम इंडिया ने इसकी सूचना पहले ही दे दी थी कि नकवी से वे ट्रॉफी नहीं लेंगे। इसके बावजूद जानबूझकर नकवी स्टेज पर खड़े रहे थे।

नकवी ट्रॉफी लेकर चले गए थे

इसके बाद मोहसिन नकवी ने पुरस्कार समारोह छोड़ने का फैसला किया और ट्रॉफी चुराकर अपने साथ ले गए। वह ट्रॉफी को अपने होटल के कमरे में ले गए थे। इसके बाद से ट्रॉफी एसीसी के दुबई स्थित कार्यालय में रखे होने की बात सामने आती रही है और भारतीय टीम को अभी तक वह ट्रॉफी नहीं मिली है।

भारत आने वाली ब्राजील की फुटबॉल टीम का ऐलान नौ को

ब्राजीलिया। ब्राजील की मेंस फुटबॉल टीम के कोच कार्लो एंसेलोटी नौ सितंबर को भारत के खिलाफ होने वाले फीफा इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच के लिए 26 सदस्यीय टीम का ऐलान करेंगे। ब्राजीलियन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन ने इसकी जानकारी दी। भारत और ब्राजील के बीच मैच तीन अक्तूबर को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत 31 अगस्त को अपनी टीम घोषित कर चुका है, लेकिन ब्राजील के भारत आने वाले खिलाड़ियों के नाम अभी सामने नहीं आए हैं।

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी चाइना मास्टर्स चैंपियन

शेनझेन। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। भारतीय जोड़ी ने रविवार को चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू को एक घंटे 10 मिनट चले मैच में 11-21, 21-13, 21-17 से हराया। यह टाइटल वर्ल्ड नंबर-5 भारतीय जोड़ी के लिए बड़ी जीत है। दोनों 19 सितंबर से जापान में होने वाले एशियन गेम्स में अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेंगे। चिराग-सात्विक को 92 हजार यूएस डॉलर की इनामी राशि मिली।

बिना कोच के पदक पर दावा ठोकेगी एशियाई चैंपियन: एशियाई खेलों में कराटे टीम को चाहिए था कोच, भेजा जा रहा मैनेजर

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

एशियाई खेलों में पदक की बड़ी दावेदार और जून में एशियाई चैंपियन बनीं कराटे खिलाड़ी अलीशा चौधरी बिना कोच के दावेदारी पेश करने जा रही हैं। एशियाई खेलों में अलीशा (55 किलो) और चेतन भट्ट (84 किलो) कराटे में भारतीय चुनौती पेश करेंगे, लेकिन इन दोनों के साथ कोच नहीं बल्कि टीम लीडर (मैनेजर) भेजा जा रहा है। टीम लीडर को मैट पर बतौर कोच बैठने की मंजूरी नहीं होगी। कोचिंग कॉर्नर में बैठा कोच अपने खिलाड़ी के साथ अन्याय होने की स्थिति में रिव्यू लेता है। अलीशा का कहना है कि वह अपने कोच विकास को साथ भेजने की गुहार आईओए से लगा रही हैं, लेकिन अंत में एक ऐसे टीम लीडर आदिकेशवा पेरुमल को उनके साथ भेजा जा रहा है, जिसे उन्होंने कभी देखा भी नहीं है।

अलीशा का जाना तय नहीं था

कराटे की फेडरेशन में विवाद होने के कारण जुलाई माह तक यह तय हो गया था कि कराटे की टीम एशियाड में नहीं खेलेगी, लेकिन मामला खेल मंत्री मनसुख मांडविया के पास पहुंचा तो उन्होंने इस वर्ष बाली में एशियाई चैंपियन बनने वाली अलीशा और 5वें स्थान पर रहने वाले चेतन भट्ट को एशियाई खेलों में भाग लेने की मंजूरी दिलवाई। कराटे के किसी भी कोच का नाम एशियाई खेलों की लांग लिस्ट में नहीं डाला गया था। जब अलीशा का एशियाड में जाना तय हो गया तो उन्होंने बीते माह आईओए से अपने कोच को साथ भेजने की गुहार लगाई।

वजन सेट कराता है कोच

अलीशा ने आईओए से कई बार संपर्क साधा। इस दौरान उन्हें तैयारियों के लिए कोच के साथ 20 अगस्त से तीन सितंबर तक इस्तांबुल (तुर्किये) भी भेजा गया। अलीशा का कहना है कि उन्हें टीम लीडर से ज्यादा कोच की जरूरत है। कोच वजन के दौरान भी उनके साथ होता। कोच वजन सेट कराता है। उसके पास कोचिंग का लाइसेंस होता है। आईओए के अधिकारी का कहना है कि लांग लिस्ट में नाम नहीं होने के कारण कोच नहीं जा रहा है, लेकिन उनके पास यह जवाब नहीं था कि टीम लीडर को फिर कैसे भेजा जा रहा है।

सच बाजार

नवी मुंबई के आरसीपी से चलती जियो की डिजिटल रफ्तार

550 एकड़ के रिलायंस कॉरपोरेट पार्क में जियो का कॉरपोरेट संचालन, नेटवर्क मॉनिटरिंग और तकनीकी ढांचा

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल/ मुंबई

नवी मुंबई के घनसोली स्थित रिलायंस कॉरपोरेट पार्क (आरसीपी) रिलायंस समूह की प्रमुख कॉरपोरेट परिसंपत्तियों में शामिल है। करीब 550 एकड़ में फैले इस परिसर में विभिन्न कॉरपोरेट और तकनीकी गतिविधियां संचालित होती हैं। जियो प्लेटफॉर्म्स से जुड़ा कॉरपोरेट ढांचा भी इसी परिसर का हिस्सा है। बड़े भू-भाग में विकसित आरसीपी में कार्यालयों के साथ सुरक्षा व्यवस्था, तकनीकी सुविधाएं, नेटवर्क संचालन से जुड़ी व्यवस्थाएं और हरित क्षेत्र मौजूद हैं।

आरसीपी में प्रवेश और परिसर के भीतर आवाजाही निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं के तहत होती है। कर्मचारियों, वाहनों और आगंतुकों के लिए अलग-अलग स्तर की पहुंच व्यवस्था लागू है। परिसर के विभिन्न हिस्सों में प्रवेश अनुमति के आधार पर नियंत्रित किया जाता है। बड़े क्षेत्रफल में फैले होने के कारण आरसीपी का संचालन एक संगठित कॉरपोरेट कैंपस की तरह किया गया है। हालांकि इसकी सुरक्षा व्यवस्था की तुलना अनौपचारिक तौर पर सैन्य परिसर से की जा सकती है, लेकिन आरसीपी सैन्य प्रतिष्ठान नहीं, बल्कि रिलायंस समूह का कॉरपोरेट परिसर है।

जियो के शुरुआती दौर से जुड़ा रहा आरसीपी

रिलायंस जियो के शुरुआती विस्तार के दौरान आरसीपी का इस्तेमाल कंपनी के कॉरपोरेट और प्रबंधन संबंधी कार्यों के लिए किया गया। 2015 के आसपास की रिपोर्टों में जियो के शीर्ष नेतृत्व के आरसीपी स्थित पीसी/टीसी-22 के ओपन-ऑफिस में काम करने का उल्लेख मिलता है। उस दौर में जियो के कार्यस्थल में ओपन-ऑफिस व्यवस्था पर जोर दिया गया था। इसमें पारंपरिक अलग-अलग केबिनों की तुलना में टीम आधारित कार्य और सहयोग को प्राथमिकता देने की कोशिश की गई। जियो का कारोबार मोबाइल कनेक्टिविटी के अलावा ब्रॉडबैंड, डिजिटल सेवाओं, मनोरंजन, स्मार्ट डिवाइस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों तक विस्तारित हो चुका है। एक्सपीरियंस सेंटर में इन तकनीकों और सेवाओं की संभावनाओं को प्रदर्शित किया जाता है। आरसीपी में नेटवर्क संचालन से जुड़ी तकनीकी व्यवस्थाएं भी महत्वपूर्ण हैं। नेटवर्क ऑपरेशंस सेंटर जैसे केंद्रों में नेटवर्क की स्थिति, ट्रैफिक और तकनीकी प्रदर्शन से संबंधित आंकड़ों की निगरानी की जाती है। देशभर में बड़े पैमाने पर मोबाइल और डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए जियो को रेडियो नेटवर्क, फाइबर नेटवर्क, डेटा सेंटर, सॉफ्टवेयर सिस्टम और नेटवर्क मॉनिटरिंग जैसी कई तकनीकी व्यवस्थाओं को एक साथ संचालित करना पड़ता है। नेटवर्क ऑपरेशंस से जुड़ी व्यवस्था इसी तकनीकी ढांचे की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 550 एकड़ में फैले आरसीपी में कार्यालयों के साथ तकनीकी सुविधाएं और हरित क्षेत्र भी विकसित किए गए हैं। परिसर की संरचना में बड़े कार्यालय भवनों के अलावा खुले स्थान और पेड़-पौधों वाले क्षेत्र शामिल हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के नेतृत्व में शुरू हुआ जियो का डिजिटल कारोबार अब समूह के प्रमुख व्यवसायों में शामिल है। आकाश अंबानी जियो प्लेटफॉर्म्स के चेयरमैन हैं, जबकि ईशा अंबानी रिलायंस के रिटेल कारोबार की प्रमुख जिम्मेदारियों में हैं।

नई पीढ़ी के नेतृत्व के साथ रिलायंस समूह के डिजिटल और रिटेल कारोबार का विस्तार जारी है। आरसीपी इसी व्यापक कारोबारी ढांचे का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां कॉरपोरेट प्रबंधन, तकनीकी संचालन और डिजिटल कारोबार से जुड़ी गतिविधियां एक ही परिसर में संचालित होती हैं।

आईसीईएमए ने ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का खाका खींचा

एजेंसी.नई दिल्ली

भारतीय निर्माण उपकरण निर्माता संघ (आईसीईएमए) के वार्षिक सत्र 2026 में भारत की बुनियादी ढांचा जरूरतों, मैन्युफैक्चरिंग क्षमता और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में निर्माण उपकरण उद्योग की भूमिका पर व्यापक चर्चा हुई। आयोजित इस सत्र की थीम 'भारत को गढ़ने वाली मशीनें, ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के केंद्र में निर्माण उपकरण' रही। कार्यक्रम में केंद्रीय भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्री एचडी कुमारस्वामी, केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव महमूद अहमद समेत सरकार और उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सत्र में इस बात पर जोर दिया गया कि बुनियादी ढांचे पर सरकारी खर्च का व्यापक आर्थिक प्रभाव पड़ रहा है। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहने का उल्लेख करते हुए वक्ताओं ने निर्माण उपकरण उद्योग को आर्थिक विकास की महत्वपूर्ण कड़ी बताया। चर्चा में प्रस्तावित कंस्ट्रक्शन इंफ्रास्ट्रक्चर इक्विपमेंट (सीआईई) योजना को भी अहम बताया गया।

सरकार ने उद्योग के साथ साझेदारी पर दिया जोर

केंद्रीय भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित निर्माण एवं अवसंरचना उपकरण संवर्धन योजना महत्वपूर्ण उपकरणों और कलपुर्जों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने में मदद करेगी। इससे घरेलू सप्लाई चेन मजबूत होगी और आयात पर निर्भरता कम करने में सहायता मिलेगी। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि खनन क्षेत्र में पारदर्शी नीलामी व्यवस्था से निवेश, प्रतिस्पर्धा और तकनीक को बढ़ावा मिला है।

कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स ने एफएन हर्स्टल के साथ साझेदारी की

एजेंसी.नई दिल्ली

कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड (केएसएसएल) और एफएन ब्राउनिंग ग्रुप की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एफएन हर्स्टल ने भारत की रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थानीय विनिर्माण और औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी भारत की छह दशक लंबी उन्नत इंजीनियरिंग और बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी-आधारित विनिर्माण क्षमता को एफएन हर्स्टल के छोटे हथियारों और एकीकृत हथियार प्रणालियों के क्षेत्र में 135 से अधिक वर्षों के वैश्विक अनुभव के साथ जोड़ेगी।

समझौता ज्ञापन के तहत केएसएसएल और एफएन हर्स्टल भारत में एक समर्पित उत्पादन केंद्र स्थापित करने की संभावनाओं का मूल्यांकन करेंगे।

इसके साथ ही भारतीय बाजार के लिए एफएन हर्स्टल की विभिन्न रक्षा प्रणालियों को कवर करने वाले रणनीतिक गठबंधन/संयुक्त उपक्रम की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी। इसमें छोटे हथियार, एकीकृत हथियार प्रणालियां और काउंटर-मानवरहित हवाई प्रणाली समाधान शामिल होंगे। यह पहल भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' नीति के अनुरूप है। इसका उद्देश्य स्थानीय विनिर्माण, तकनीकी सहयोग और स्थानीय स्तर पर मूल्य सृजन के माध्यम से देश के भीतर रक्षा उत्पादन क्षमता विकसित करना है।

इंडियन बैंक ने मध्यप्रदेश सहित राजस्थान में बांटे 2,150 करोड़ के ऋण

भोपाल। इंडियन बैंक ने जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित रिटेल, एग्रीकल्चर एवं एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम में राजस्थान और मध्य प्रदेश के लाभार्थियों को कुल 2,150 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए। कार्यक्रम बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी बिनोद कुमार के जयपुर दौरे के दौरान आयोजित किया गया। दौरे के दौरान बिनोद कुमार ने जयपुर में इंडियन बैंक की एमसीबी शाखा और क्षेत्र महाप्रबंधक कार्यालय का उद्घाटन भी किया। बैंक के अनुसार, इन दोनों पहलों से राजस्थान में उसकी परिचालन और प्रशासनिक क्षमता को मजबूती मिलेगी। नवस्थापित एफजीएमओ जयपुर राजस्थान और मध्य प्रदेश के लिए प्रशासनिक कार्यालय के रूप में काम करेगा।

पोको एक्स8 और पोको एक्स8 पावरटेक्नेक्ट पेश

बेंगलुरु। पोको इंडिया ने नई एक्स8 सीरीज के तहत पोको एक्स8 और पोको एक्स8 पावरटेक्नेक्ट पेश किए हैं। दोनों फोन में 6.83 इंच का 1.5के एएमओएलईडी डिस्प्ले दिया गया है, जो 120एचजेड रिफ्रेश रेट, 3500 निट्स पीक ब्राइटनेस और 12-बिट कलर डेप्थ सपोर्ट करता है। दोनों मॉडल आईपी 66, आईपी 68, आईपी 69 और आईपी69के रेटिंग के साथ आते हैं। पोको एक्स8 में स्नैपड्रैगन 6 जेन 4 प्रोसेसर, 8 जीबी तक रैम और 256 जीबी स्टोरेज है। पोको एक्स8 की एसआरपी 29,999 रुपए और एक्स8 पावर की 35,999 रुपए है। ऑफर के बाद प्रभावी कीमत क्रमश: 26,999 और 32,999 रुपए होगी। दोनों की बिक्री 11 सितंबर 2026 से फ्लिपकार्ट पर शुरू होगी।

किआ सोरेंटो भारत में लांच, 27.99 लाख रुपए से शुरू कीमत

नई दिल्ली। किआ इंडिया ने भारत में अपनी प्रीमियम श्री-रो एसयूवी किआ सोरेंटो को लॉन्च कर दिया है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत डीजल वेरिएंट के लिए 27.99 लाख रुपए और हाइब्रिड वेरिएंट के लिए 29.49 लाख रुपए रखी गई है। इसके साथ ही किआ ने भारत में पहली बार अपनी हाइब्रिड पावरट्रेन पेश की है। किआ का दावा है कि इस फीचर के साथ सोरेंटो अपने सेगमेंट में ऐसी तकनीक पेश करने वाली पहली एसयूवी बन गई है।

एचवाईबीई इंडिया ऑडिशन की 8 नए शहरों में होगी टैलेंट की तलाश

भोपाल। एचवाईबीई इंडिया नेऑडिशन की अगली कड़ी एचवाईबीई इंडिया ऑडिशन- फाइनल कॉल' का ऐलान किया है। पहले राउंड को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद अब कंपनी देश के 8 और शहरों में पहुंचकर नए कलाकारों की तलाश करेगी। एचवाईबीई इंडिया के अनुसार, ऑडिशन को देशभर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। भारत के 28 राज्यों और 6 केंद्र शासित प्रदेशों से प्रतिभागियों ने आवेदन किया। इसके अलावा दुनिया के अलग-अलग देशों में रहने वाले भारतीयों ने भी ऑडिशन में हिस्सा लिया। अब तक 116 देशों के करीब 1,650 शहरों से आवेदन प्राप्त हुए हैं।

सेमसंग ने किया यूएसबी 4 से लैस पी9 और पी7 कॉम्बैट एसएसडी प्रदर्शित

कोलोन। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने गेम्सकॉम 2026 में यूएसबी 4 कनेक्टिविटी से लैस अपनी अगली पीढ़ी की पी9 और पी7 पोर्टेबल एसएसडी सीरीज पेश की। कंपनी के अनुसार, नई सीरीज को अल्ट्रा-हाई-रिज़ॉल्यूशन वीडियो, एआई कंटेंट और बड़े आकार के गेम्स की बढ़ती स्टोरेज जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।नई रेंज में पी9 फ्लैगशिप मॉडल है, जिसे प्रोफेशनल और हाई-परफॉर्मेंस वर्कफ्लो के लिए डिजाइन किया गया है। वहीं पी7 को रोजमर्रा के उपयोग में तेज और सुविधाजनक एक्सटर्नल स्टोरेज के तौर पर पेश किया गया है।

यूनियन बैंक ने आइडिया 2.0 हैकथॉन के ग्रैंड फिनाले का किया आयोजन

मुंबई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 3 सितंबर 2026 को के. जे. सोमैया स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के ऑडिटोरियम, विद्याविहार (पूर्व), मुंबई में पीएसबी हैकथॉन सीरीज 2026 के अंतर्गत आइडिया 2.0 हैकथॉन के ग्रैंड फिनाले का आयोजन किया। सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित इस हैकथॉन का उद्देश्य विचारकों, नवप्रवर्तकों, छात्रों और पेशेवरों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना था, जहां वे बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र से जुड़ी चुनौतियों के लिए नए और तकनीक आधारित समाधान विकसित कर सकें। ग्रैंड फिनाले के अवसर पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ आशीष पाण्डेय, कार्यपालक निदेशक नितेश रंजन और अमरेश प्रसाद ने प्रतिभागियों एवं उपस्थित लोगों को संबोधित किया। सरकार द्वारा नामित निदेशक डॉ. देबाशीष फ्रस्टी ने भी वर्चुअल माध्यम से सभा को संबोधित किया।

मिवी का पहला स्मार्टफोन 'मिवी वन' 24 को लांच

भोपाल। घरेलू कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में शामिल मिवी ने स्मार्टफोन कैटेगरी में प्रवेश करने की घोषणा की है। कंपनी क्वालकॉम, फ्लिपकार्ट और गूगल के साथ साझेदारी में अपना पहला स्मार्टफोन 'मिवी वन' 24 सितंबर 2026 को लॉन्च करेगी। यह स्मार्टफोन विशेष रूप से केवल फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध कराया जाएगा। कंपनी के अनुसार, अपने सेगमेंट में मिवी वन भारत का एकमात्र स्मार्टफोन होगा, जिसमें स्नैपड्रैगन 5जी चिपसेट दिया जाएगा।

इनफिनिक्स हॉट 70 प्रो भारत में लांच

नई दिल्ली। स्मार्टफोन ब्रांड इनफिनिक्स ने भारत में अपना नया स्मार्टफोन हॉट 70 प्रो लॉन्च किया है। कंपनी के मुताबिक, यह फोन युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें आकर्षक डिजाइन, इंटरैक्टिव अनुभव और बेहतर रोजमर्रा की परफॉर्मेंस का संयोजन देखने को मिलता है। फोन में कंपनी का नया डायनामिक शाइन डिज़ाइन दिया गया है, जो रंग और टेक्सचर को स्मार्टफोन के अनुभव का हिस्सा बनाता है। इनफिनिक्स इंडिया के सीएमओ मिराज गुप्ता ने कहा कि आज के स्मार्टफोन केवल ज्यादा स्मार्ट होने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनमें यूजर की पर्सनैलिटी को भी व्यक्त करने की क्षमता होनी चाहिए।

एनएसपी किड्स जोन स्कूल में धूमधाम से मनाया जन्माष्टमी उत्सव

सच संवाददाता || भोपाल।

तारासेवनिया स्थित नव संस्कार पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल एवं एनएसपी किड्स जोन स्कूल में गुरुवार, 3 सितंबर को जन्माष्टमी उत्सव हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा-कृष्ण की आकर्षक वेशभूषा में नजर आए, जिससे पूरा विद्यालय परिसर कृष्णमय हो गया। जन्माष्टमी उत्सव के दौरान बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। मटकी फोड़ कार्यक्रम ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। बच्चों की उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित अभिभावकों एवं विद्यालय स्टाफ का मन मोह लिया। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख डॉ. देवेंद्र सिंह, प्राचार्या श्रीमती राखी श्रीवास्तव सहित शिक्षिकाएं कुमारी अंजलि चौकसे, आरती यादव, विपाशा मीना, शिवानी मीना एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों को भारतीय संस्कृति और धार्मिक पर्वों के महत्व से परिचित कराने के उद्देश्य से इस तरह के आयोजन को महत्वपूर्ण बताया।

गुफा मंदिर में 21 ब्राह्मणों ने कराया श्री हनुमान जी का सहस्त्रधारा अभिषेक

सच संवाददाता || भोपाल।

लालघाटी स्थित गुफा मंदिर धाम में श्री बूढ़े हनुमान जी का सहस्त्रधारा अभिषेक श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। श्री बूढ़े हनुमान सहस्त्रधारा अभिषेक मंडल द्वारा आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर परिसर में मंत्रोच्चार के बीच 21 ब्राह्मणों ने विधि-विधान से भगवान हनुमान जी का सहस्त्रधारा अभिषेक कराया।मंडल के संयोजक अनुपम अग्रवाल ने बताया कि पिछले 15 महीनों से श्री बूढ़े हनुमान सहस्त्रधारा अभिषेक मंडल द्वारा नियमित रूप से यह धार्मिक आयोजन कराया जा रहा है। शनिवार को हुए अभिषेक में सोहन अग्रवाल मुख्य यजमान रहे। अनुष्ठान के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। अभिषेक के बाद भगवान हनुमान जी की आरती और विधिवत पूजन किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया।

आयोजन में अग्रवाल मित्र मंडल एवं महिला मंडल की संयोजिका श्रीमती ज्योति बंसल, कोषाध्यक्ष गोपाल अग्रवाल सहित मनोज अग्रवाल, चन्द्रेश अग्रवाल, डॉ. अंकुर अग्रवाल, अचिन अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, अमित बिल्लोरे, मोहित अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, राजेंद्र भदौरिया, अभय गर्ग और अशोक साहू सहित अन्य भक्तगण उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने हनुमान जी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता की।

बाबूलाल गौर कॉलेज में शिक्षक सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन, 50 शिक्षकों का हुआ सम्मान

सच संवाददाता || भोपाल।

शिक्षक दिवस के अवसर पर बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल, भोपाल में शिक्षक सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रायोजक संस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश तथा सहयोगी संस्था सोसायटी ऑफ एनजीओ अवेयरनेस, अवधपुरी, भेल रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध कवि संजय सिंह रहे, जबकि अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन ने की। विशिष्ट अतिथियों में सोसायटी ऑफ एनजीओ अवेयरनेस के अध्यक्ष महेन्द्र प्रसाद शर्मा, श्रीमती मंजू शर्मा एवं बालिका अंशिका पाण्डेय उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को भी पुष्पांजलि अर्पित कर याद किया गया। छात्रा शशि वंशकार ने सरस्वती वंदना, मुस्कान ठाकरे ने नृत्य के माध्यम से गुरु वंदना प्रस्तुत की। बालिका अंशिका पाण्डेय के भावपूर्ण भजन ने कार्यक्रम को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण शिक्षक सम्मान समारोह में सोसायटी ऑफ एनजीओ अवेयरनेस के अध्यक्ष महेन्द्र प्रसाद शर्मा ने सबसे पहले महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन को सम्मानित किया। इसके बाद महाविद्यालय के करीब 50 शिक्षकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। अतिथि स्वागत के दौरान प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन ने मुख्य अतिथि कवि संजय सिंह को नवपल्लवित पौधा, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। वहीं महेन्द्र प्रसाद शर्मा का स्वागत राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा यादव ने किया। शायर नितेश का स्वागत डॉ. सुषमा जादौन तथा शैलेश ओझा का स्वागत डॉ. अंजना अग्रवाल ने किया। शिक्षक सम्मान के बाद कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। महाविद्यालय के स्वरचित साहित्य मंच के विद्यार्थियों श्रीया विश्वकर्मा, मनन दीक्षित, प्राची विश्वकर्मा और तुषार पाण्डेय ने गुरु को केंद्र में रखकर अपनी स्वरचित कविताओं का प्रभावशाली पाठ किया।

भोपाल के शायर नितेश ने अपनी शायरी 'हे नमन गुरुवर तुम्हें स्वीकार हो' प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। वहीं मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध कवि संजय सिंह ने अपने चर्चित गीत से काव्य पाठ की शुरुआत की। उनकी भावपूर्ण प्रस्तुति ने सभागार में मौजूद श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया और कई श्रोताओं की आंखें नम हो गईं। इसके बाद उनकी दूसरी चर्चित कविता 'हाय मेरे लाल, कैसा दिन ये दिखाया' को भी श्रोताओं ने खूब सराहा।कार्यक्रम के अंत में विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 विद्यार्थियों को पारितोषिक प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. कमलेश सिंह नेगी ने किया। समापन अवसर पर स्वरचित साहित्य मंच की छात्रा श्रीया विश्वकर्मा ने अतिथियों, प्राचार्य, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिक्षक दिवस पर गुरुजनों का सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और कवि सम्मेलन ने बांधा समां

सच संवाददाता || भोपाल।

शिक्षक दिवस के अवसर पर राजधानी भोपाल के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में गुरुजनों के सम्मान के साथ सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कैम्पियन स्कूल में जहां विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत और अन्य प्रस्तुतियों से शिक्षकों का मनोरंजन किया, वहीं बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल में शिक्षक सम्मान समारोह के साथ कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कैम्पियन स्कूल भोपाल में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास और सम्मान के भाव के साथ लोयला सभागार में मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य फादर अमृतलाल टोप्पो एसजे, उप प्राचार्य फादर फेबियानुस एसजे और हैडमिस्ट्रेस सिस्टर रेनिशा एसी ने दीप प्रज्वलन एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर की। प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों ने प्रार्थना और मधुर गीत प्रस्तुत किए। फादर्स, ब्रदर्स, शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित स्टाफ सदस्यों का पुष्पगुच्छ, ग्रीटिंग कार्ड और पौधे भेंट कर स्वागत किया गया। विद्यार्थियों ने स्वागत नृत्य के साथ समारोह को यादगार बनाया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बॉलीवुड फ्यूजन, वेस्टर्न डांस, भांगड़ा, हिप-हॉप, बीट-बॉक्सिंग, कविताओं और म्यूजिकल इवेंट की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। सेकेंडरी स्कूल के म्यूजिक ग्रुप ने विभिन्न गीतों पर ऑर्केस्ट्रा की प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने विशिंग सॉन्ग भी प्रस्तुत किया। समारोह में शिक्षकों के लिए रेड कार्पेट पर रैंप वॉक और विभिन्न गेम्स का आयोजन किया गया। अंत में सेलिब्रेशन डांस ने कार्यक्रम में उत्साह भर दिया।

इस अवसर पर प्राथमिक एवं माध्यमिक विभाग के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, ऑफिस स्टाफ, सपोर्टिंग स्टाफ, बस ड्राइवर और कंडक्टर्स को उपहार देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य फादर अमृतलाल टोप्पो ने अपने प्रेरक संबोधन में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व और उनके दार्शनिक, लेखक एवं शिक्षाविद् के रूप में योगदान को याद किया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद प्रस्ताव विद्यार्थियों ने किया।

भोपाल में चार दिवसीय 'टैगोर नाट्य महोत्सव' का शुभारंभ, पहले दिन गूंजा गुरुदेव का संगीत और रंगमंच

भोपाल। टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय एवं विश्व रंग फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय 'टैगोर नाट्य महोत्सव' का रविवार को रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के मुक्ताकाश में शुभारंभ हुआ। पहले दिन गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के गीतों की सांगीतिक प्रस्तुति, उनकी कहानियों पर आधारित नाटक और 'टैगोर की सांस्कृतिक चेतना' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में आरएनटीयू के कुलाधिपति एवं वरिष्ठ साहित्यकार संतोष चौबे, कुलगुरु डॉ. आर.पी. दुबे,

कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी, टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के निदेशक विनय उपाध्याय, संतोष कौशिक, विकास अवस्थी सहित साहित्य, रंगमंच और कला जगत से जुड़े लोग उपस्थित रहे। महोत्सव के पहले दिन टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के नवांगतुक विद्यार्थियों ने 'गीतांजलि' की प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने टैगोर के गीतों को संगीत के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर वातावरण को भावपूर्ण बना दिया।

इसके बाद विद्यालय के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने टैगोर की दो कहानियों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति 'एक रात/अंतिम रात' का मंचन किया।

'एक रात' में बचपन की सहचरी सुरबाला के प्रेम को समय रहते नहीं समझ पाने वाले युवक की कहानी को मंच पर प्रस्तुत किया गया। महत्वाकांक्षा के चलते विवाह का अवसर गंवाने और बाद में प्रेम एवं रिश्ते की वास्तविकता का एहसास होने की कहानी ने दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ा।

आज से 9 सितंबर तक होंगी नाट्य प्रस्तुतियां

टैगोर नाट्य महोत्सव के तहत 7, 8 और 9 सितंबर को वरिष्ठ साहित्यकार संतोष चौबे की तीन कहानियों पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियां होंगी।

भाभा विवि में शिक्षक दिवस का भव्य आयोजन

भोपाल। भाभा विश्वविद्यालय, भोपाल में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं वंदना से हुई। इस दौरान शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शिक्षक दिवस को यादगार बनाया। कार्यक्रम में केक काटने के साथ प्रेरक विचार, प्रेरणादायक कहानियां, शेर-ओ-शायरी, मनमोहक नृत्य और शिक्षकों की विभिन्न प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा और शिक्षक के महत्व को रेखांकित किया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे उन्हें अनुशासन, जीवन-मूल्य, आत्मविश्वास, मेहनत, मानवता और सही निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित करने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में कहा गया कि मां हमारी प्रथम गुरु हैं, जबकि भगवान श्रीराम सत्य, मर्यादा, कर्तव्य और आदर्श जीवन का मार्ग दिखाते हैं।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में मनाया शिक्षक दिवस, पौधे भेंट कर किया सम्मान

भोपाल। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, भोपाल में शिक्षक दिवस का आयोजन उत्साह और गरिमामय वातावरण में किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय प्रबंधन की ओर से एसएन चौकसे, कुलगुरु प्रो. (डॉ.) एनके थापक, रजिस्ट्रार डॉ. अजीत कुमार सोनी एवं मेडिकल कॉलेज के डीन विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों एवं शिक्षकों को पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया। इस पहल के माध्यम से शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

डॉ. एके द्विवेदी बने जर्नल के संपादकीय मंडल के सदस्य

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ होम्योपैथिक केस रिपोर्ट्स में मिली जिम्मेदारी

सच संवाददाता.भोपाल

होम्योपैथी चिकित्सा और शोध के क्षेत्र में मध्य प्रदेश के प्रो. (डॉ.) अश्विनी कुमार द्विवेदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई जिम्मेदारी मिली है। उन्हेंइंटरनेशनल जर्नल ऑफ होम्योपैथिक केस रिपोर्ट्स में 2026 से 2031 तक मिली जिम्मेदारी (आईजेएचसीआर) के संपादकीय मंडल में वर्ष 2026 से 2031 तक के लिए सदस्य नियुक्त किया गया है। डॉ. द्विवेदी वर्ष 2015 से केंद्रीय होम्योपैथी

अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार से जुड़े हुए हैं। इस दौरान वे होम्योपैथी से संबंधित शोध और अकादमिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। जर्नल के संपादकीय मंडल में उनकी नियुक्ति उनके अकादमिक और शोध कार्यों के आधार पर की गई है। नई जिम्मेदारी के तहत वे शोध-पत्रों, समीक्षा लेखों और रोग-प्रकरण रिपोर्टों के मूल्यांकन सहित शोध से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में योगदान देंगे। इसके साथ ही चिकित्सकों और विद्यार्थियों को शोध कार्य के लिए प्रोत्साहित करने की भूमिका भी निभाएंगे। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय मंडल में जिम्मेदारी मिलना व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ मध्य प्रदेश में होम्योपैथी के शोध और अकादमिक गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण है।

सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच समाचार पर। आवेदन के लिए लिंक करें
www.buddy4study.com

आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025

- विवरण: आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025, पॉलिसी, पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस फाउंडेशन द्वारा अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों को प्रदान किया जा रहा है। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम युवा, उत्साही व्यक्तियों को राजनीतिक और नीति निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का अन्वेषण से अवगत कराता है।
- मानदंड: आवेदन अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक अध्ययनरत छात्रों के लिए जारी है। उन्हें स्नातक अध्ययन पूर्ण करने के बाद राजनीतिक या नीति रणनीति परामर्श में करियर बनाने में रुचि होनी चाहिए।
- इनाम/लाभ: रुपए 5,000 का मासिक स्टाइपेंड तथा सराहना प्रमाण पत्र।
- अंतिम तिथि: पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक:. www.b4s.in/sach/ICPI1
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/static/images/scho-media/icpc-internship-programme-20251774330906.png

एसओएफ डिफेंस सर्विसेज़ एकेडमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप

- विवरण: एसओएफ डिफेंस सर्विसेज़ एकेडमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप 2026-27, साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा कक्षा 1 से 10 तक के छात्रों को प्रदान की जा रही है। इसका उद्देश्य भारतीय रक्षा सेवाओं और आंतरिक सुरक्षा सेवाओं के परिवारों से आने वाले छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों को पुरस्कृत करना है।
- मानदंड: भारतीय निवासी कक्षा 1 से 10 में अध्ययनरत छात्र आवेदन कर सकते हैं। वे सेवारत या सेवानिवृत्त रक्षा सेवा/आंतरिक सुरक्षा सेवा कर्मियों के परिवार से संबंधित होने चाहिए।
- इनाम/लाभ: रुपए 5,000 का एकमुश्त नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्राप्त होगा।
- अंतिम तिथि: 31-12-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/SDSAS7
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net /static/images/scho-media/sof-defence-services-academic-excellence-scholarship-dsas-2026-271784610057.png

नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026

- विवरण: नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जा रहा एक अवसर है। यह फेलोशिप यूजीसी-मान्यता प्राप्त संस्थानों में विज्ञान, मानविकी, या सामाजिक विज्ञान संकायों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पात्र छात्रों को प्रत्येक वर्ष 2,000 नई फैलोशिप प्रदान की जाती है।
- मानदंड: सम्बंधित राज्य सरकारों द्वारा सूचीबद्ध अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन जारी है। आवेदकों को यूजीसी-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों में पूर्णकालिक, नियमित एम.फिल. या पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, उन्हें राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या स्नातक अभियान्त्रिकी प्रवेश परीक्षा (गेट) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभ: प्रति माह अधिकतम 35,000 रुपये तथा अन्य लाभ।
- अंतिम तिथि: 20-12-2026
- आवेदन कैसे करें: यूजीसी-नेट-जेआरएफ या यूजीसी-सीएसआईआर नेट-जेआरएफ परीक्षा के मेरिट आधारित चयन द्वारा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य ।
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/NFSC1
- QR Code: https://dle9eg0t05513. cloudfront.net/static/images/scho-media/national-fellowship-scheme-for-scheduled-caste-students-nfsc-20261769489377.png

परिवर्तन ईसीएसएस प्रोग्राम

- विवरण: परिवर्तन ईसीएसएस प्रोग्राम 2026-27 एक छात्रवृत्ति पहल है, जिसका उद्देश्य कक्षा 1 से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक के मेधावी और आर्थिक रूप से वंचित छात्रों को सहायता प्रदान करना है।
- मानदंड: कक्षा 1 से 12, डिप्लोमा, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, स्नातक (सामान्य और व्यावसायिक), और स्नातकोत्तर (सामान्य और व्यावसायिक) पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों के लिए खुला है।
- नवीनतम योग्यता परीक्षा में न्यूनतम 55₹ अंक आवश्यक हैं।
- सभी स्रोतों से वार्षिक पारिवारिक आय ?2.5 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- केवल भारतीय नागरिकों के लिए जारी है।
- नोट: उन आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में किसी व्यक्तिगत या पारिवारिक संकट का सामना किया है, जिसने उनकी पढ़ाई जारी रखने की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया हो।
- इनाम/लाभ: शैक्षिक स्तर के आधार पर 5,000 तक की छात्रवृत्ति।
- अंतिम तिथि: 30-09-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/HDFC63
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/static/images/scho-media/parivartan-ecss-programme-2026-271786449527.png

मुस्कान स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2.0

- विवरण: मुस्कान स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2.0 (2026-27),वाल्वोलीन कमिंस प्राइवेट लिमिटेड की एक पहल है, जो दक्षिणी, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को सहायता प्रदान करती है। इस स्कॉलरशिप का उद्देश्य व्यावसायिक वाहन चालकों, मैकेनिकों के बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को उनकी शिक्षा जारी रखने में सहायता करना है।
- मानदंड: आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड, ओडिशा, पुडुचेरी, सिक्किम, तमिलनाडु और तेलंगाना के कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत छात्र आवेदन के पात्र हैं। एलएमव्ही/एचएमवी चालकों सहित व्यावसायिक वाहन चालकों के बच्चे, मैकेनिकों के बच्चे और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक को पिछली कक्षा में 60₹ या उससे अधिक अंक प्राप्त होना अनिवार्य है। सभी स्रोतों से वार्षिक पारिवारिक आय ?8 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। वाल्वोलीन कमिंस प्राइवेट लिमिटेड (इष्टक्क) और बड्डी4स्टडी के कर्मचारियों के बच्चे आवेदन के पात्र नहीं हैं।
- इनाम/लाभ: चयनित छात्रों को निम्नलिखित छात्रवृत्ति लाभ प्रदान किए जाएंगे। 12,000 तक की छात्रवृत्ति (वास्तविक खर्च के आधार पर) मेंटरशिप सहायता (रोड सेफ्टी पर सत्र)
- अंतिम तिथि: 30-09-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक www.b4s.in/sach/MKSP3
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/static/images/scho-

राहत के साथ आफत बनी बारिश

शाजापुर। लंबे समय से जिले में छाए बादलों ने तीन दिनों तक राहत की बारिश की। इस बारिश से लोगों के चेहरे तो खिले, लेकिन अब किसानों के खिले चेहरे मुरझाने लगे हैं। क्योंकि कई खेतों में जमा पानी फसलों को गला रहा है। जिससे फसलें खराब होने की स्थिति में पहुंच गई है। यदि जल्द ही पानी निकासी नहीं की गई तो पौधे मरणासन्न स्थिति में पहुंच जाएंगे।

दरअसल इस वर्ष भी मानसून ने जिले में देरी से दस्तक दी और अब तक जिले में पर्याप्त वर्षा का अभाव है। जिले की औसत वर्षा 39 इंच है, लेकिन अब तक 28 से 29 इंच वर्षा ही दर्ज हुई है। यही नहीं तीन माह से जारी मानसून के दौरान एक भी बार लगातार झमाझम या तेज वर्षा नहीं हुई है। अब तक जिले भर में केवल रिमझीम वर्षा ही हुई है। जिससे मौसम में ठंडक तो घुली लेकिन जलस्त्रोत और जलाशयों में भी पर्याप्त पानी का अभाव है। ऐसे में फसलों के लिए ऐसी बारिश पहले ही संकट बनी हुई थी। वहीं तीन दिन से जिले भर में रूक-रूककर हो रही रिमझीम वर्षा भी मुसीबत बनती जा रही है। क्योंकि कई खेत ऐसे हैं जहां पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं है ऐसे खेतों में खड़ी सोयाबीन की फसलें गलने लगी है और यह पानी अब फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. मुकेश सिंह ने भी किसानों को सलाह दी है कि जिन किसानों के खेतों में पानी भरा हुआ है वे उसकी निकासी की व्यवस्था कर दें नहीं तो उन्हें फायदे के बजाए नुकसान उठाना पड़ सकता है।

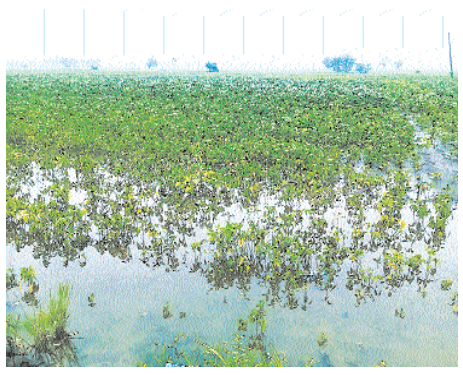

जलाशय बने खेत, पीला मोजेक का बढ़ा खतरा

तीन दिन से अधिक समय से हो रही लगातार बारिश का असर खेतों में खड़ी सोयाबीन फसल पर भी दिखाई देने लगा है। किसानों के अनुसार कई खेतों में पानी भर गया है। लगातार पानी जमा रहने से सोयाबीन के पौधों की जड़ों पर असर पड़ने की आशंका है। किसानों को फसल में पीला मोजेक बीमारी फैलने की भी चिंता सता रही है। किसानों का कहना है कि यदि बारिश का दौर इसी तरह जारी रहा और खेतों से पानी की निकासी नहीं हुई तो फसल को नुकसान बढ़ सकता है। किसान दिनेश तिवारी, भेरू लाल मेवाड़ा ने बताया कि इस समय सोयाबीन की फसल खेतों में अच्छी स्थिति में है, लेकिन लगातार बारिश और जलभराव फसल के लिए चिंता का कारण बन रहा है। किसानों की नजर अब मौसम खुलने और खेतों से पानी की निकासी पर टिकी है।

न के बराबर बारिश की संभावना

मौसम विभाग की माने तो अब बारिश की संभावना काफी कम है और आज से मौसम खुलने की भी संभावना है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि 24 घंटे में 18 एमएम वर्षा दर्ज की गई है और अब तक 744 एमएम वर्षा दर्ज की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि अब मौसम खुला रहेगा और शाम-शाम को कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। इससे ज्यादा संभावना अब नजर नहीं आ रही।

समरसता संकल्प यात्रा का स्वागत

बैतूल। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा 6 सितंबर को चोपना से निकली। इस दौरान गाजे- बाजे के साथ यात्रा ने स्थानीय मंदिरों का भ्रमण किया। यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। यात्रा प्रमुख ग्रामों का भ्रमण करते हुए बडोरा बैतूल पहुंची तथा तत्पश्चात यात्रा का रात्रि विश्राम किया गया। यात्रा में जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य श्री सुधाकर पवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि सामाजिक बंधु, बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए। यात्रा के दौरान संत रविदास जी के विचारों और उनके द्वारा दिए गए सामाजिक समरसता, समानता एवं भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की समरसता पावन कलश एवं कलश रथ जिला मुख्यालय से स्थानीय रविदास मंदिरों तथा ग्राम स्तर तक पहुंचाए जाएंगे। कलश रथ 20 अगस्त से 10 सितंबर तक जिले में निर्धारित मार्ग के अनुसार भ्रमण करेगा।

सच संक्षेप

डॉ. पवन सेंगर सम्मानित

भोपाल/मंडीदीप। सिविल अस्पताल मंडीदीप में पदस्थ एमडी मेडिसिन डॉ. पवन सेंगर को डायबिटीज प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य के लिए प्रतिष्ठित एडवांस्ड सर्टिफिकेट कोर्स इन डायबिटीज मैनेजमेंट सम्मान से नवाजा गया। दो दिवसीय कार्यक्रम के समापन अवसर पर एम्स भोपाल के डायरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. नरेंद्र कोटवाल ने डॉ. सेंगर को प्रमाण-पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का आयोजन मधुमेह संवाद फाउंडेशन द्वारा किया गया। इस अवसर पर हर हेल्थ हॉस्पिटल, भोपाल के प्रसिद्ध डीएम एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. सचिन चित्तवार सहित चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ एवं चिकित्सक मौजूद रहे।

मोबाइल रिपेयरिंग का प्रशिक्षण

शिवपुरी। समाजसेवी संस्था भारत विकास परिषद शाखा विवेकानंद द्वारा आयोजित संस्कृति सप्ताह के अंतर्गत चतुर्थ दिवस पर बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लक्ष्मी निवास के पास स्थित हरिओम मोबाइल पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को मोबाइल रिपेयरिंग का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ मोबाइल व्यवसाय एवं दुकानदारी के आवश्यक गुण भी सिखाए गए। लगभग दो माह से संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बच्चों ने मोबाइल रिपेयरिंग की बारीकियां सीखीं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात सभी बच्चे अब अपनी-अपनी मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान शुरू करने के लिए तैयार हैं। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को हुनर प्रदान कर उन्हें रोजगार के लिए सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन संस्कृति सप्ताह के चतुर्थ दिवस पर किया गया। संयोग से आज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व भी है। परिषद के सदस्यों का मानना है कि बच्चों को हुनर देकर उनके जीवन में आत्मनिर्भरता का मार्ग खोलने से बेहतर इस शुभ कार्य के लिए कोई दिन नहीं हो सकता।

प्राचार्य का सम्मान

शिवपुरी। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य और सराहनीय योगदान के लिए इनर व्हील क्लब द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शहर के पांच उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस गौरवमयी सूची में दून जूनियर स्कूल की प्राचार्या श्रीमती सीमा अरोड़ा का नाम भी शामिल है, जिन्हें बेस्ट एजुकेटर के सम्मान से नवाजा गया है। इसी वर्ष शुरू हुए दून जूनियर स्कूल ने अपने प्रथम वर्ष में ही बेहतरीन संचालन, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और विशिष्ट गतिविधियों के बल पर शिवपुरी शहर में एक अलग और विशिष्ट पहचान बनाई है। इस अल्प समय में मिली बड़ी उपलब्धि का श्रेय प्राचार्या सीमा अरोड़ा के कुशल नेतृत्व को जाता है। अपनी इस उपलब्धि पर श्रीमती सीमा अरोड़ा ने कहा, यह सम्मान मेरे अकेले का नहीं, बल्कि दून स्कूल के संचालक मंडल और मेरे समस्त समर्पित स्टाफ के निरंतर सहयोग का परिणाम है।

जागरूकता रैली

बैतूल। सिकल सेल जैसी गंभीर बीमारी के खिलाफ जागरूकता की मुहिम को बैतूल में नई ताकत मिली। मां शारदा सहायता समिति, आशा कल्प फाउंडेशन भोपाल और ताप्ती आनंद क्लब के संयुक्त आयोजन में कस्तूरी बाग में राज्यस्तरीय सिकल सेल जांच एवं परामर्श शिविर और रक्त क्रांति जागरूकता रैली हुई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने रक्त क्रांति की मशाल थामकर रैली की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि शारदा समिति के सामाजिक सरोकारों से जुड़े आयोजन अनूठे और प्रेरणादायी हैं। एम्स के डॉ. गौरव ढिंगरा और डॉ. संदेश दुबे समेत 16 डॉक्टरों की टीम ने सैकड़ों लोगों की सिकल सेल जांच कर परामर्श दिया। कार्यशाला में करीब 700 लोगों को सिकल सेल बीमारी, बचाव और जागरूकता की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सिकल सेल से पीड़ित मासूमों ने अपनी आपबीती सुनाई तो माहौल भावुक हो गया। इस दौरान 70 से अधिक संस्थाओं को रक्त क्रांति सम्मान-2026 और 60 से अधिक व्यक्तिगत रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया। जेएच कॉलेज में पीएससी की निःशुल्क शिक्षा देने वाले प्रोफेसर सातनकर, गणेश मालवीय, प्रीतम सिंह मरकाम, पंजाबराव गायकवाड़ और सुनील पंडाग्रे सहित 30 शिक्षकों को शिक्षक गौरव सम्मान दिया गया।

अवैध शराब जब्त

शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के स्पष्ट निर्देशों के तहत जिले भर में अवैध मदिरा के निर्माण, भण्डारण एवं विक्रय के विरुद्ध एक विशेष सघन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी विभाग के समस्त कार्यपालिक बल द्वारा करैरा अंतर्गत बायपास रोड के पास स्थित कंजर बस्ती डेरा क्षेत्र में सघन गश्त कर प्रभावी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। कार्रवाई के दौरान आबकारी बल ने तत्परता दिखाते हुए अवैध एवं कच्ची मदिरा के निर्माण तथा भण्डारण के ठिकानों को मौके पर ही पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। स्थल पर की गई व्यापक छानबीन में शराब बनाने के उद्देश्य से जमा कर रखा गया लगभग 8,000 किलोग्राम लहान जब्त कर नष्ट किया गया। इसके साथ ही मौके से लगभग 70 लीटर तैयार कच्ची हाथ भट्ठी मदिरा बरामद कर जब्त की गई। अवैध शराब के निर्माण और संग्रहण के इस कृत्य पर सख्त कदम उठाते हुए, आबकारी विभाग द्वारा आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। जिला प्रशासन और आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से, अवैध मदिरा के विरुद्ध यह विशेष अभियान जिले में आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

एक माह में संग्रहित हुआ 1,235 यूनिट रक्त

बैतूल। जिले में स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन और ब्लड बैंक की योजनाबद्ध पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अगस्त 2026 में जिले में कुल 1,235 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।

इसमें विभिन्न स्थानों पर आयोजित 13 रक्तदान शिविरों से 942 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। रक्तदान की इस व्यवस्था को मजबूत बनाने में कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे की पहल और बल्ड बैंक ऑफिसर डॉ अंकिता सीते की सक्रिय भूमिका महत्वपूर्ण रही है। रक्तदान शिविरों की कार्ययोजना कलेक्टर के समक्ष रखे जाने के बाद उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए गतिविधियों को योजनाबद्ध और निरंतर रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। इसके बाद जिले में शिविरों का क्रम बढ़ा और स्वैच्छिक रक्तदान को लेकर लोगों को जागरूक करने के प्रयास भी तेज हुए।

शिविरों से 942 यूनिट, कुल संग्रह 1,235 यूनिट

अगस्त में आयोजित रक्तांजलि सहित 13 रक्तदान शिविरों से जहां 942 यूनिट रक्त प्राप्त हुआ, वहीं ब्लड बैंक सहित अन्य माध्यमों से हुए रक्तदान को मिलाकर महीने का कुल संग्रह 1,235 यूनिट तक पहुंच गया। खास बात यह है कि अब लोग केवल शिविर या आपातकालीन अपील का इंतजार नहीं कर रहे हैं, बल्कि स्वयं ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान कर रहे हैं। जन्मदिन और अन्य विशेष अवसरों पर रक्तदान करने की प्रवृत्ति भी बढ़ रही है।

रक्त संग्रह बढ़ने का सीधा लाभ जरूरतमंद मरीजों को मिला। अगस्त माह में ब्लड बैंक द्वारा 80 सिकल सेल मरीजों और 43 थैलेसीमिया मरीजों को रक्त उपलब्ध कराया गया। इसके साथ ही 102 एएनसी यानी गर्भवती महिलाओं को बिना एक्सचेंज और निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया गया।

अनियंत्रित होकर पुलिया में घुसी स्लीपर बस

शाजापुर। गुना से इंदौर जा रही स्लीपर बस तेज रफ्तार के कारण मझानिया जोड़ के पास स्थित पुलिया में जा घुसी। जिससे बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जिसमें चालक व क्लीनर बुरी तरह फंस गए। वहीं बस में सवार 32 यात्री भी घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार पाटीदार ट्रैवल्स की स्लीपर बस गुना से इंदौर की ओर जा रही थी। शाजापुर बायपास पर टुकराना जोड़ के पास अचानक बस अनियंत्रित हो गई और रोड पर बनी पुलिया से टकरा गई।

टीईटी की अनिवार्यता खत्म की जाए

बैतूल। मध्यप्रदेश में लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता से मुक्त करने की मांग जोर पकड़ रही है। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा बैतूल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर तमिलनाडु और जम्मू-कश्मीर की तर्ज पर प्रदेश के सेवारत शिक्षकों को टीईटी से स्थायी राहत देने की मांग की है। मोर्चा का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था से वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों के सामने नौकरी, पदोन्नति और अन्य सेवा लाभों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। मोर्चा ने ज्ञापन में कहा कि कई शिक्षकों की नियुक्ति उस समय लागू नियमों और निर्धारित शैक्षणिक योग्यताओं के आधार पर हुई थी।

ऐसे में वर्षों की सेवा के बाद टीईटी की अनिवार्यता लागू होने से शिक्षकों पर अनावश्यक दबाव बढ़ रहा है। शिक्षकों ने मांग की है कि राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया जाए और केंद्र सरकार को आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 23 में आवश्यक संशोधन के लिए प्रस्ताव भेजा जाए।

ज्ञापन में तमिलनाडु का उदाहरण देते हुए कहा गया कि वहां 23 अगस्त 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से राहत देने के लिए विधानसभा ने केंद्र से आरटीई अधिनियम में संशोधन का आग्रह किया था। इसी आधार पर मध्यप्रदेश में भी सेवारत शिक्षकों के हित में पहल करने की मांग की गई है। इधर, स्थानीय विधायक ने स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से फोन पर इस मुद्दे पर चर्चा की।

सुगम संगीत प्रतियोगिता 10 को

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग अंतर्गत उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी की ओर से महान पार्श्व गायिका लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता (संभाग स्तरीय) का आयोजन 10 सितंबर 2026 को शहडोल में किया जाएगा। प्रतियोगिता में शहडोल संभाग के गीत एवं संगीत के क्षेत्र में रुचि रखने वाले प्रतिभागी निर्धारित आयु एवं नियमों के अनुसार भाग ले सकेंगे।

प्रतियोगिता का आयोजन महिला मंडल सभागार, शहडोल में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक किया जाएगा। प्रतियोगिता दो वर्गों कनिष्ठ एवं वरिष्ठ में आयोजित होगी। आयु निर्धारण की तिथि 1 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। कनिष्ठ वर्ग में 8 से 15 वर्ष तथा वरिष्ठ वर्ग में 16 से 25 वर्ष आयु के प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के दोनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 10 हजार, 5 हजार एवं 3 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की तिथि की जानकारी चयनित प्रतिभागियों को समय रहते दी जाएगी। राज्य स्तर पर वरिष्ठ वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 25 हजार, 20 हजार एवं 15 हजार रुपये, जबकि कनिष्ठ वर्ग में 21 हजार, 15 हजार एवं 10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

नगर परिषद ने किया शिक्षकों का सम्मान

सिलवानी। शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाले नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करने वाले सच्चे मार्गदर्शक हैं। उनके त्याग, समर्पण और संस्कारों का समाज सदैव ऋणी रहेगा। शिक्षक विद्यार्थियों को परिवार के सदस्य की तरह समझकर आत्मीयता से व्यवहार करते हैं।

विद्यार्थियों को यह महसूस नहीं होने देते कि शिक्षक उनकी समस्याओं को नहीं समझते हैं और उनके भविष्य को लेकर चिंतित हैं। यह उद्गार पूर्व कैबिनेट मंत्री रामपाल सिंह ने नगर परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किए। वह नगर के कम्यूनिटी हॉल में शिक्षक सम्मान समारोह

को संबोधित कर रहे थे। प्रारंभ में मुख्य अतिथि का नप सीएमओ राकेश मिश्रा आदि ने फूल माला से स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षक समाज में व्यापक बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं। एक शिक्षक के माध्यम से कई पीढ़ियों का भविष्य प्रभावित होता है, इसलिए शिक्षक अपने दायित्व को केवल नौकरी के रूप में न देखें, बल्कि इसे समाज निर्माण का अवसर मानें।

कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष श्याम साहू, नगर परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि मोनू मातांबर, पार्षद प्रदीप कुशवाहा, बाबू ठाकुर, लखन मेहरा, गुड्डु भाई, संजू बनारसी, एल्डरमेन ओंकार शर्मा, तुलसी यादव,किशोर शेखावत, धर्मदास चढ़ार, राजेंद्र सोनी, रघुवीर साहू, सलीम काजी, पप्पू नेमा आदि उपस्थित रहे।

फरार आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की क्षेत्रीय इकाई जबलपुर ने बाघ के शिकार एवं वन्यजीव अंगों की तस्करी से जुड़े प्रकरण में लंबे समय से फरार आरोपी शेरू पारधी को शहडोल जिले के ब्यौहारी क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरुद्ध विभिन्न राज्यों में वन्यजीव अपराध से संबंधित प्रकरण दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।

बालाघाट में बाघ के शिकार एवं उसके अंगों की तस्करी से जुड़े प्रकरण की विवेचना की जा रही है। विवेचना के दौरान एक संगठित गिरोह के सक्रिय होने की जानकारी सामने आई, जिसके तार देश के विभिन्न राज्यों के साथ ही अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका है। प्रकरण में अब तक मध्यप्रदेश सहित पांच राज्यों से आठ आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। फरार आरोपी शेरू पारधी की तलाश के लिए स्ज्ञस्स्न द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया था।

गोगा नवमी पर निकला चल समारोह

आष्टा। जाहरवीर गोगा जी महाराज के जन्मोत्सव के पावन पर्व गोगा नवमी पर शनिवार को वाल्मीकि समाज द्वारा श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ भव्य छड़ी-निशान चल समारोह निकाला गया। बैंड-बाजों, ढोल की थाप और धार्मिक जयघोष के बीच निकला चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा।जगह-जगह श्रद्धालुओं ने छड़ी-निशान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। पूरे नगर में धार्मिक उल्लास और श्रद्धा का वातावरण बना रहा।

चल समारोह कम्युनिटी हॉल से प्रारंभ होकर अस्पताल चौराहा, परदेशीपुरा, बुधवारा होते हुए पुराने सिद्धार्थ हॉस्पिटल चौराहे पहुंचा। यहां सकल हिंदू समाज द्वारा छड़ी-निशान का विधिवत पूजन कर स्वागत किया गया। सकल हिंदू समाज के अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद नरेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने गोगा जी महाराज की छड़ी-निशान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

गल चौराहे पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा के नेतृत्व में चारों छड़ी निशान के भगत विशाल कलोसिया, अनिल सांगते, सतीश सांगते एवं आशीष भगत का स्वागत किया गया। इस दौरान प्रत्येक को 5100 रुपए की प्रोत्साहन राशि एवं प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं समाज के वरिष्ठजनों राहुल वाल्मीकि, बनवारीलाल पंवार, प्रकाश कलोसिया, अमित सांगते, जितेंद्र सिंगन, दीपक नरवले एवं जीवन कलोसिया का साफा बांधकर तथा पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया गया।

गोगा नवमी के अवसर पर वाल्मीकि समाज की विशेष धार्मिक परंपरा भी देखने को मिली। समाज के श्रद्धालु सवा महीने तक नंगे पैर रहकर कठिन नियमों का पालन करते हुए गुरू गोगादेव जी की सेवा-भक्ति करते हैं। इसी साधना और श्रद्धा के बाद गोगा नवमी पर छड़ी-निशान का चल समारोह निकाला जाता है।

करंट से भैंस की मौत

शाजापुर। जिले के ग्राम जावदी में बिजली विभाग की लापरवाही सामने आई है। जब एक पोल से लगी तान में अचानक करंट फैल गया, जिसकी चपेट में आने से एक भैंस की मौत हो गई। गनीमत रही कि कोई व्यक्ति करंट की चपेट में नहीं आया अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

घटना रविवार सुबह की बताई गई है। जब ग्राम जावदी निवासी राजपाल सिंह के पिता अपनी भैंस को घर से खेत की ओर ले जा रहे थे। तभी घर के बाहर बिजली के खंभे से लगी तान में करंट फैल गया और भैंस की मौके पर ही मौत हो गई। आरोप है कि बिजली विभाग को फोन कर सूचना देने की कोशिश की गई, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया।

मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण

बैतूल। पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर के मार्गदर्शन तथा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान के अंतर्गत बैतूल जिले के सभी 10 विकासखंडों में विकासखंड स्तरीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

कार्यशालाओं में सामाजिक कार्यकर्ताओं, नवांकुर संस्थाओं, मेंटर्स तथा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने मिट्टी से भगवान श्री गणेश की सुंदर एवं आकर्षक प्रतिमाओं का निर्माण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन का संकल्प लिया। घोड़ाडोंगरी विकासखंड में आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि रूपचंद यादव सलैया एवं जिला समन्वयक संतोष सिंह राजपूत सहित सामाजिक कार्यकर्ताओं, नवांकुर संस्थाओं, मेंटर्स एवं एमएसडब्ल्यू, बीएसडब्ल्यू छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। प्रतिभागियों ने मिट्टी से गणेश प्रतिमाओं का निर्माण कर पर्यावरण हितैषी गणेश उत्सव मनाने का संदेश दिया। आमला विकासखंड में शासकीय डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय परिसर में विकासखंड स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। विकासखंड समन्वयक अरविंद माथनकर की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मिट्टी से गणेश प्रतिमाओं का निर्माण किया।

भजनों से जीवंत हुई कृष्ण कथा

बैतूल। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर अटल सभागृह, जे.एच. कॉलेज में भक्ति, संगीत, नृत्य और अभिनय का ऐसा संगम देखने को मिला कि पूरा सभागृह कृष्णमय हो उठा। नटराज डांस एवं संगीत विद्यालय और स्वदेशी जागरण मंच, बैतूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नंद उत्सव 2.0 में भव्य पौराणिक नृत्य-नाटिका एवं लाइव शो प्रस्तुत किया गया। भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से लेकर राधा-कृष्ण की भक्ति, कंस वध और महाभारत के प्रसंगों को कलाकारों ने नृत्य, अभिनय, संगीत और भजनों के माध्यम से मंच पर जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम में श्रेणिक जैन ने द्वारिकाधीश, यशवीर खादिकर ने श्रीकृष्ण, ओजस्व निरापूरे, विश्व खातरकर एवं रेवांश सोलंकी ने बाल कृष्ण तथा खुशांक वाइकर ने बाल सुदामा की भूमिका निभाई। रामविजय यादव ने वासुदेव, कर्ण एवं इंद्र देव, मधुबाला देशमुख ने देवकी, सूर्यदीप त्रिवेदी ने कंस एवं शकुनी, केदार बारोलिया ने अर्जुन एवं बलराम, मोहित पवार ने सुदामा एवं भीम, राजकुमार साहू ने दुर्योधन, भील एवं कालिया नाग, बालकराम यादव ने दुशासन एवं पहलवान, करण तायवाड़े ने विष्णु एवं युधिष्ठिर, अनिकेत चडोकर ने नकुल एवं सैनिक, देवीप्रसाद मालवी ने सहदेव एवं नारद जी, राकेश गावंडे ने भीष्म पितामह, पहलवान एवं अक्रूर जी तथा चरण लाल खातरकर ने नंद बाबा एवं धृतराष्ट्र की भूमिका प्रभावी ढंग से निभाई।

प्रतिभाओं को सम्मान देना समाज की जिम्मेदारी

मंडीदीप। औद्योगिक नगर मंडीदीप में सामाजिक संस्था सेवा समिति द्वारा लगातार 35वें वर्ष आयोजित विशाल शिक्षक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

गरिमामय एवं भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित समारोह में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में ब्लॉक क्षेत्र के सेवानिवृत्त शिक्षकों, मंडीदीप नगर पालिका क्षेत्र के सभी स्कूल संचालकों सहित 2240 शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया। कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 460 मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाते, बल्कि वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार और भविष्य का निर्माण करते हैं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से संवाद भी किया। सेवा समिति के अध्यक्ष जीवन सिंह पाल ने कहा कि समिति पिछले 35 वर्षों से शिक्षक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह के माध्यम से समाज की उन विभूतियों को सम्मानित कर रही है।

समारोह में रवींद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी की कुल सचिव संगीता जौहरी, नगर पालिका उपाध्यक्ष पुष्पा साहू, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विपिन भार्गव, उषा भार्गव, उमेश पाल, पूर्णिमा जैन सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दक्ष प्रजापति जयंती पर शोभा यात्रा

शिवपुरी। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी राजा दक्ष प्रजापति जयंती के अवसर पर प्रजापति समाज द्वारा शिवपुरी में आज 7 सितंबर सोमवार को महाराज दक्ष की भव्य शोभायात्रा का आयोजन जिला मुख्यालय पर किया गया है। जिसमें शोभा यात्रा के समापन पर गांधी पार्क मानस भवन में प्रजापति समाज की मेधावी छात्र छात्राएं जिन्होंने वर्ष 2026 में 75 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किया हैं उन सभी प्रतिभाओं को मंच से अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया जाएगा। प्रतिभा सम्मान और इस भव्य शोभायात्रा को लेकर समाजजनों में खासा उत्साह है। आयोजन में प्रजापति समाज की प्रतिभा एवं स्वतंत्र राज्य मंत्री धर्मवीर प्रजापति सहित समाज के उप्र के हमीरपुर से विधायक मनोज प्रजापति, मप्र के रीवा से विधायक नरेंद्र प्रजापति, पूर्व विधायक चंदला राजेश प्रजापति, काशी बाबा ट्रस्ट अध्यक्ष ग्वालियर प्रहलाद प्रजापति एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है।

कितनी खूबसूरत यह तस्वीर है, यह बेनजीर - बेमिसाल है, यह भोपाल का ताल है

भदभदा से छोड़ा गया अतिरिक्त पानी किनारों पर उमड़ा मनमोहक दृश्य

सच संवाददाता || भोपाल

लगातार हुई बारिश के बाद राजधानी भोपाल की लाइफलाइन कहे जाने वाला बड़ा तालाब (भोजताल) लबालब भर गया है। 4 सितंबर को तालाब का जलस्तर अपने फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट तक पहुंच गया। इसके बाद अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए भदभदा बांध का गेट खोला गया। तालाब में भरपूर पानी आने के बाद इसकी खूबसूरती भी देखते ही बन रही है। तेज हवा के साथ उठती लहरें तालाब के साहिल से टकरा रही हैं और पानी की लहरों का यह नजारा शहरवासियों और पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। मानसून के बाद भरे हुए बड़े तालाब का विस्तृत जलक्षेत्र भोपाल की प्राकृतिक खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। लगातार बारिश से तालाब में पानी की आवक बढ़ती रही। जलस्तर फुल टैंक लेवल पर पहुंचने के बाद भदभदा बांध से अतिरिक्त पानी की निकासी शुरू की गई।

बारिश ने लौटाई तालाब की रौनक

बड़ा तालाब भरने से जहां भोपाल की पेयजल व्यवस्था को राहत मिली है, वहीं शहर का प्राकृतिक सौंदर्य भी निखर उठा है। तालाब के किनारों पर उठती लहरें और भदभदा की ओर बहती जलधारा बारिश के मौसम में भोपाल की खास तस्वीर पेश कर रही हैं।

45 रुपए वापस नहीं किए तो खोपड़ी पर मारी छुरी, 22 टांके आए

तलैया इलाके में हुई वारदात

सच संवाददाता || भोपाल

मात्र 45 रुपए के लिए सब्जी का ठेला लगाने वाले युवक ने ऑटो चालक पर छुरी से जानलेवा हमला कर दिया। घातक वार के कारण आटोचालक के सिर में 22 टांके आए हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जानलेवा हमला करने का प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। तलैया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय हारुण खान इस्लामपुरा में रहता है तथा आटो चलाता है। इसी इलाके में रिजवान कुरैशी नाम का युवक रहता है जो कि इतवारा इलाके में सब्जी का ठेला लगाता है। एक ही इलाके में रहने के कारण दोनों एक-दूसरे को जानते-पहचानते हैं। पिछले दिनों रिजवान को एक ग्राहक से 45 रुपए लेना था। ग्राहक के पास नकद नहीं थे तो उसने ऑनलाइन पेमेंट को कहा। रिजवान का युपीआई नहीं चल रहा था तो उसने हारुण के बैंक खाते में पैसे ऑनलाइन भिजवा दिए। उसने कहा कि तुम मुझे बाद में दे देना। बाद में हारुण पैसे देना भूल गया। रिजवान ने एक दो बार पैसों की याद दिलाई तो उस समय भी वह भूल गया। बीती रात इसी बात को इतवारा इलाके में दोनों के बीच विवाद हो गया। मात्र 45 रुपए के विवाद में रिजवान ने हारुण के साथ मारपीट करना शुरू कर दी। उसने जब विरोध किया तो रिजवान ने उस पर छुरी से हमला कर दिया। छुरी का वार लगने के कारण हारुण के सिर में 22 टांके आए हैं। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद रिजवान कुरैशी के खिलाफ जानलेवा हमला करने का प्रकरण दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश में पुलिस की टीम बीती रात उसके घर पर पहुंची लेकिन वह वहां पर नहीं मिला। इधर कोतवाली थानाक्षेत्र में बीती एक हम्माल पर अज्ञात तीन लड़कों ने हमला कर दिया। हमले के दौरान एक युवक ने छुरी से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि 40 वर्षीय वसीम मूलत: सीहोर जिले का रहने वाला है। वह यहां पर इतवारा इलाके में हम्माली करता है तथा रात हो जाने पर इसी इलाके में फुटपाथ पर सो जाता है। बीती रात करीब 11 बजे वह सड़क किनारे बैठा था। इसी दौरान तीन युवक वहां पर आए तथा उन्होंने वसीम पर पैसों की अड़ी डाल दी। वे शराब पीने के लिए पैसा मांग रहे थे। वसीम ने पैसे देने से मना किया तो तीनों युवक उस पर झूम पड़े तथा मारपीट शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर एक तीन में से एक युवक ने वसीम पर छुरी से हमला कर दिया।

इंटर्न डॉक्टरों का हल्लाबोल, हमीदिया से सीएम निवास तक पैदल मार्च

बोले- 14,337 नहीं, 30 हजार रुपए चाहिए स्टाइपेंड, अब आश्वासन नहीं, लिखित आदेश की मांग

सच संवाददाता || भोपाल

स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर लंबे समय से आंदोलन कर रहे इंटर्न डॉक्टरों का सब्र आज जवाब दे गया। सरकार की ओर से अब तक मिले मौखिक आश्वासनों के बावजूद कोई लिखित आदेश जारी नहीं होने से नाराज इंटर्न डॉक्टरों ने आज राजधानी भोपाल में हल्लाबोल करते हुए हमीदिया अस्पताल से मुख्यमंत्री निवास तक पैदल मार्च निकाला। आंदोलनकारी डॉक्टरों का कहना है कि शासन की ओर से करीब डेढ़ महीने पहले स्टाइपेंड बढ़ाने के मुद्दे पर जल्द निर्णय लेने का भरोसा दिया गया था। डॉक्टरों ने सरकार के आश्वासन पर भरोसा करते हुए इतने समय तक इंतजार किया, लेकिन अब तक स्टाइपेंड वृद्धि को लेकर कोई आधिकारिक अधिसूचना या लिखित आदेश जारी नहीं किया गया। इसके बाद डॉक्टरों ने सड़क पर उतरकर विरोध दर्ज कराने का फैसला किया। इंटर्न डॉक्टरों के मुताबिक वर्तमान में उन्हें 14,337 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जा रहा है। डॉक्टरों की मांग है कि इसे बढ़ाकर कम से कम 30 हजार रुपए प्रतिमाह किया जाए। उनका कहना है कि इंटर्नशिप के दौरान अस्पतालों में मरीजों की देखभाल और चिकित्सा सेवाओं में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के बावजूद उन्हें मिलने वाला स्टाइपेंड बेहद कम है। डॉक्टरों ने कहा कि उनकी मांग केवल स्टाइपेंड बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार से अब स्पष्ट निर्णय और उसका लिखित आदेश चाहते हैं।

हमीदिया के गेट नंबर-1 से सीएम हाउस तक मार्च

इंटर्न डॉक्टरों ने हमीदिया अस्पताल के गेट नंबर-1 से मुख्यमंत्री निवास की ओर पैदल मार्च शुरू किया। प्रदर्शन के दौरान डॉक्टरों ने हाथों में मांगों से जुड़े पोस्टर और बैनर लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात सरकार तक पहुंचाने के लिए है। डॉक्टरों ने 14,337 नहीं, 30,000 चाहिए और अब आश्वासन नहीं, लिखित आदेश चाहिए जैसे नारों के जरिए अपनी मांग सरकार के सामने रखी। आंदोलनकारी डॉक्टरों का कहना है कि वे सरकार के समक्ष अपनी मांग मजबूती से रखेंगे और स्टाइपेंड वृद्धि का लिखित आदेश मिलने तक आंदोलन की आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। डॉक्टरों ने उम्मीद जताई कि सरकार उनकी मांग पर जल्द निर्णय लेते हुए लिखित आदेश जारी करेगी।

असदुद्दीन ओवैसी 15 को आएंगे सेंट्रल लाइब्रेरी में होगी आमसभा

भोपाल। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद सैयद असदुद्दीन ओवैसी 15 सितंबर को एक दिवसीय दौरे पर भोपाल आएंगे। वह शाम 7.30 बजे पुराने भोपाल की सेंट्रल लाइब्रेरी ग्राउंड में आम सभा को संबोधित करेंगे।

लगभग 20 साल बाद ओवैसी भोपाल में किसी आम सभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले वे ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के एक अधिवेशन में भोपाल की ताजुल मस्जिद आए थे और आधी रात को ऐसा समां बांधा था कि लोग सुबह तक उनसे मिलने के लिए ताजुल मस्जिद में बेकरार रहे थे। उस समय उनकी पार्टी राष्ट्रीय स्तर की नहीं थी, मगर अल्पसंख्यक, दलित और पिछड़ों के कल्याण और इंसाफ के लिए उनकी आवाज हमेशा राष्ट्रीय स्तर पर गूंजती रही है। वतनपरस्ती के कारण उन्हें लोकसभा में श्रेष्ठ सांसद (संसद रत्न) का अवार्ड भी मिला है और आतंकवाद के खिलाफ विश्व स्तर पर पाकिस्तान को बेनकाब करने में उनकी भूमिका को सराहा गया है।

ई-अटेंडेंस पर 3.75 लाख शिक्षकों का विरोध, डेटा सुरक्षा से लेकर थर्ड पार्टी सर्वर तक उठे सवाल

सच संवाददाता || भोपाल

मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग की प्रस्तावित ई-अटेंडेंस 3.0 व्यवस्था को लेकर प्रदेश के करीब 3.75 लाख शिक्षक विरोध में सामने आए हैं। शिक्षकों की सबसे बड़ी आपत्ति हाजिरी के लिए भरवाए जा रहे ऑनलाइन सहमति पत्र और उसमें निजी डेटा की सुरक्षा से जुड़ी शर्तों को लेकर है। शिक्षक संगठनों ने सवाल उठाया है कि जब विभाग स्वयं डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट-2023 का हवाला दे रहा है, तो यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि शिक्षकों का डेटा किसके पास रहेगा और इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी होगी।

शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने ई-अटेंडेंस व्यवस्था की तकनीकी और डेटा सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि विभाग को स्पष्ट करना चाहिए कि ई-अटेंडेंस 3.0 का पोर्टल ढ्ढश्1.द्बठ्ठ अथवा ठ्ठद्बष्.द्बठ्ठ जैसे सरकारी डोमेन पर संचालित हो रहा है या इसमें किसी थर्ड पार्टी की तकनीकी भूमिका है। शिक्षक संगठनों की मांग है कि यदि किसी निजी कंपनी या गैर-सरकारी सर्वर का इस्तेमाल किया जा रहा है तो उसकी अनुमति किस सक्षम अधिकारी ने दी, इसकी जानकारी सार्वजनिक की जाए। साथ ही यह भी बताया जाए कि शिक्षकों का निजी डेटा किस सर्वर पर स्टोर किया जा रहा है और उस तक किस-किस की पहुंच है।

शिक्षकों का कहना है कि मामला केवल रोजाना ऑनलाइन हाजिरी लगाने तक सीमित नहीं है। ई-अटेंडेंस व्यवस्था में मोबाइल नंबर, लाइव लोकेशन और सेवा संबंधी रिकॉर्ड जैसी जानकारियां भी जुड़ रही हैं। ऐसे में डेटा के गलत इस्तेमाल या लीक होने की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। संगठन ने भारत सरकार की वेबसाइट गाइडलाइंस और संबंधित साइबर सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की है। शिक्षकों का कहना है कि सहमति पत्र भरवाने से पहले विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इस डेटा का वास्तविक डेटा फिड्यूशियरी यानी संरक्षक कौन है, डेटा कहां स्टोर होगा और उसकी सुरक्षा के लिए क्या व्यवस्था की गई है।

बताया गया है कि ई-अटेंडेंस व्यवस्था के दायरे में प्रदेश के करीब 3.75 लाख शिक्षक आ रहे हैं। इनमें लगभग 2.32 लाख नियमित शिक्षक, 72 हजार अतिथि शिक्षक और करीब 70 हजार जनजातीय कार्य विभाग के शिक्षक शामिल हैं। इनसे ऑनलाइन सहमति पत्र लिए जाने की प्रक्रिया ने शिक्षक संगठनों की नाराजगी को और बढ़ा दिया है। शिक्षकों का यह भी आरोप है कि विभाग ई-अटेंडेंस लागू करने में तेजी दिखा रहा है, लेकिन शिक्षकों की सेवा संबंधी लंबित शिकायतों के निराकरण की गति बेहद धीमी है। संगठन के मुताबिक परिवेदना पोर्टल पर 17,817 मामले अभी भी लंबित हैं। आंकड़ों के अनुसार पोर्टल पर कुल 36,827 शिकायतें दर्ज हुई थीं, जिनमें से करीब 19 हजार मामलों का निराकरण किया जा चुका है।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

सच संवाददाता || भोपाल

बैरसिया इलाके में रहने वाले एक युवक ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इधर निशापुरा इलाके में सड़क हादसे में अधेड़ की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने दोनों ही मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय सलमान खान ग्राम ललरिया में रहता था और परिवार वालों के साथ खेती किसानी करता था। गत दिवस परिजनों की नींद खुली तो घर के बाहर आंगन में बने टीनशेड में सलमान का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि युवक अक्सर बीमार रहता था। अनुमान है कि इसी कारण उसने फांसी लगाई होगी। इधर निशातपुरा में हादसे में अधेड़ की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कुलदीप सक्सेना (50) निशातपुरा में रहते थे। वह अपनी स्कूटर से ड्यूटी के लिए रायसेन जा रहे थे।

हनुमान मंदिर में हुई चोरी का आठ दिन बाद सुराग नहीं

भोपाल।राजधानी के ईटखेड़ी थाना अंतर्गत ग्राम परेवा खेड़ा के हनुमान मंदिर में दिन धाड़े अज्ञात चोर ने हनुमान जी के मंदिर का ताला तोड़कर कीमती चांदी के आभूषण चुरा लिए । घटना 30 अगस्त की है जब प्रतिदिन की तरह मंदिर के पुजारी पीयूष पारासर सुबह हनुमान भगवान की मूर्ति को चांदी का मुकुट और छत्र पहनाकर पूजन की और मंदिर का ताला लगाकर चले गए थे,इसके बाद अज्ञात चोर ने मौका देखकर मंदिर का ताला तोड़ कर अंदर घुस कर मूर्ति से मुकुट और छत्र चुरा लिया गया ।

'सागर गोल्ड' और बंबईया व्हिस्की पर बदले आबकारी आदेश पर उठाए सवाल; मृतकों के परिवारों को 25 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग

जहरीली शराब कांड पर उमंग सिंघार का सरकार पर हमला बोले- अवैध शराब नेटवर्क की जड़ तक पहुंचे जांच

सच संवाददाता || भोपाल

सागर में जहरीली शराब से हुई मौतों और प्रदेश में कथित अवैध शराब नेटवर्क को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मोहन सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहरीली शराब की बिक्री और सप्लाई के पीछे सक्रिय पूरे नेटवर्क की जांच करने के बजाय कार्रवाई को सीमित किया जा रहा है। सिंघार ने सरकार से पूछा कि सागर में हुई मौतों की जिम्मेदारी आखिर किसकी है और जहरीली शराब में इस्तेमाल हुआ मेथेनॉल कहां से आया। सिंघार के अनुसार सागर में जहरीली और अवैध शराब से 15 लोगों की मौत हुई है, जबकि 110 से अधिक लोग अस्पताल में उपचाररत हैं। उन्होंने 6 सितंबर को प्रभावित गांवों का दौरा कर मृतकों के परिजनों से मुलाकात करने का दावा किया। नेता प्रतिपक्ष के मुताबिक कई परिवारों ने अपने युवा बेटे, पिता या परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य को खो दिया है। उन्होंने कहा कि घटना को केवल शराब बेचने वाले लोगों तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। जांच में यह पता लगाया जाना चाहिए कि जहरीला पदार्थ किसने मिलाया, शराब कहां तैयार हुई और इसकी सप्लाई किस नेटवर्क के माध्यम से हुई। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मेथेनॉल मानव सेवन के लिए नहीं है और यह औद्योगिक उपयोग वाला जहरीला रसायन है। उनका सवाल है कि जहरीली शराब में इसका इस्तेमाल कैसे हुआ और यह किस स्त्रोत से उपलब्ध कराया गया। सिंघार ने मांग की कि जांच का दायरा शराब के निर्माण से लेकर बॉटलिंग, लेबलिंग, परिवहन और वितरण तक रखा जाए, ताकि पूरे नेटवर्क की जिम्मेदारी तय हो सके।

नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया कि यदि शराब उत्तर प्रदेश से मध्यप्रदेश पहुंची तो सीमा पर पुलिस और आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था क्या कर रही थी। उन्होंने दोनों राज्यों में एक ही राजनीतिक दल की सरकार होने का हवाला देते हुए कथित नेटवर्क और उसके संरक्षण की भी जांच की मांग की। सिंघार ने कॉरपोरेट रिकॉर्ड का हवाला देते हुए गजेंद्र सिंह राठौर का नाम सामने रखा और उन्हें पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता स्वर्गीय हरनाम सिंह राठौर का भाई बताया। उन्होंने कंपनी और संबंधित लोगों की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय स्तर पर पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह से जुड़े लोगों पर अवैध शराब कारोबार में शामिल होने के लगाए जा रहे आरोपों की भी जांच कराने की मांग की। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदेश में नकली शराब को ब्रांडेड बोतलों में भरकर बेचने का नेटवर्क सक्रिय है। उन्होंने कहा कि जहां सरकारी दुकान पर शराब की बोतल करीब 140 रुपए में मिलती है, वहीं कथित नकली शराब 40 से 50 रुपए में उपलब्ध होने के कारण अवैध कारोबार को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आबकारी ठेकेदारों की ओर से भी शराब माफिया के सक्रिय होने की शिकायतें पहले की गई थीं। ऐसे में जांच केवल एक ब्रांड तक सीमित न रखकर पूरे बॉटलिंग और सप्लाई नेटवर्क तक पहुंचाई जानी चाहिए।

सरकार द्वारा मृतकों के परिवारों के लिए 4 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा किए जाने के बाद सिंघार ने इसे अपर्याप्त बताया। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिवार को कम से कम 25 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की। उनका कहना है कि मृतकों में बड़ी संख्या गरीब मजदूरों और परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्यों की बताई जा रही है। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि प्रभावित परिवारों के भविष्य की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करे। सिंघार ने 6 सितंबर को आबकारी विभाग की ओर से जारी कथित आदेश और उसके बाद किए गए संशोधन को लेकर भी सवाल खड़े किए। उनके अनुसार पहले 'स्ड्डद्दड्डह्न ञ्चश्द्यस्र' की बिक्री प्रतिबंधित करने, उपलब्ध स्टॉक को सील-जप्त करने और एफएसएल जांच कराने के निर्देश दिए गए थे। बाद में संशोधित आदेश में इसे नगण्य स्थिति में बताते हुए सामान्य जांच की बात कही गई। उन्होंने सवाल किया कि कुछ ही घंटों में ऐसा क्या बदल गया कि सील-जप्ती और एफएसएल जांच की जरूरत नहीं रही? उन्होंने सरकार से आदेश में बदलाव का कारण सार्वजनिक करने की मांग की।

स्वामी/प्रकाशक/संपादक उज़्मा सिकंदर द्वारा मुद्रक नरेश मंगतानी द्वारा बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल, 462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं एफ 113/33 शिवाजी नगर भोपाल 462016 से प्रकाशित।
समूह संपादक : अशोक वर्मा, * समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समाचार संपादक : अंसारुल हसन सिद्दीकी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. रजि. MPHIN/2025/A2700, Mail-ID sachesamachar013@gmail.com फोन नं. :- 0755-4152506